गोवायार्ड दर्शन

अप्रैल - सितंबर 2025

हर काम, देश के नाम



गोवा शिपयार्ड लिमिटेड

शिपयार्डों में उत्कृष्ट कार्य निष्पादक शिपयार्ड



माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी से महिला सशक्तिकरण हेतु प्रतिष्ठित स्कोप एमिनेंस पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड



हिंदी दिवस के अवसर पर गांधीनगर, गुजरात में आयोजित पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में श्री अर्जुन राम मेघवाल, माननीय केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री और श्री दिनेश शर्मा, सांसद राज्यसभा द्वारा श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्रदान किया गया।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के आशीर्वचन



प्रिय साथियों,

गोवा शिपयार्ड जहाज निर्माण के क्षेत्र में सरकार की नीतियों का अनुपालन करते हुए राष्ट्र के विकास में एक प्रगतिशील संगठन के रूप में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है और साथ ही सभी जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति समर्पित भाव से समाज के सभी वर्गों के लिए अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन कर रहा है। समाज के प्रति उत्तरदायित्व एवं स्थानीय समुदाय के लिए सहयोग की भावना हमारी सद्भावना का प्रतीक है। हम संगठन में सभी के सहयोग और टीम भावना से निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हैं और हमें इस बात पर गर्व है कि हम सबने मिलकर दृढ़ संकल्प और सद्भावना से कार्य करते हुए गोवा शिपयार्ड को विश्वस्तरीय शिपयार्ड बनाया है।

बड़े हर्ष का विषय है कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा गोवा शिपयार्ड लिमिटेड को वर्ष 2024-25 के लिए राष्ट्रीय स्तर पर राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु गौरवशाली राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। गोवा शिपयार्ड राजभाषा हिंदी की प्रगति के लिए हमेशा संवेदनशील रहा है और राजभाषा हिंदी कार्यान्वयन के प्रति निरंतर प्रयास का परिणाम है कि हमें राजभाषा के क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मान से पुरस्कृत किया गया है। इस प्रभावशाली प्रेरणा से हमारे प्रयास को और भी बल मिलेगा। हम प्रोत्साहन और प्रशिक्षण के माध्यम से सभी कार्मिकों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करेंगें ताकि वे रुचि लेकर स्वयं हिंदी में कार्य करते हुए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करें।

मुझे बहुत खुशी की अनुभूति हो रही है कि हमारी गृह पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' का 24वां अंक प्रकाशित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से हमारे संगठन की विभिन्न गतिविधियों एवं क्रियाकलापों को सभी लोगों तक पहुंचाया जाता है। राजभाषा अनुभाग की पूरी टीम को 'गोवायार्ड दर्शन' के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं।

बृजेश कुमार उपाध्याय
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

दो शब्द



यह बड़ी खुशी की बात है कि गोवा शिपयार्ड लिमिटेड को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए राष्ट्रीय स्तर पर राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु गौरवशाली राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान राजभाषा हिंदी की प्रगति की दिशा में गोवा शिपयार्ड द्वारा किए जा रहे कार्यों के प्रति हमें प्रोत्साहन और प्रेरणा देता है। राजभाषा हिंदी का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है और हिंदी के प्रगामी प्रयोग को एक नया आयाम देते हुए गोवा शिपयार्ड उल्लेखनीय कार्य कर रहा है।

गोवा शिपयार्ड में राजभाषा हिंदी से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से हिंदी के प्रयोग पर अधिक बल दिया जा रहा है और हमारा प्रयास है कि राजभाषा हिंदी का एक अनुकूल वातावरण तैयार किया जाए, ताकि सभी कार्मिक अपना कार्य हिंदी में आसानी से कर सकें। राजभाषा हिंदी के प्रगति के लिए प्रशिक्षण, संगोष्ठी, कार्यशालाएं, प्रतियोगिताएं एवं इस क्षेत्र से जुड़े सभी प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन गोवा शिपयार्ड की पहली प्राथमिकता रही है। हमारी पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' शिपयार्ड की गतिविधियों को सबके समक्ष सरल हिंदी में प्रस्तुत करते हुए राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में अपनी भूमिका निभा रही है।

'गोवायार्ड दर्शन' के 24वें अंक के माध्यम से हमारे प्रयासों की एक झलक आप लोगों के समक्ष पहुंचाने की कोशिश है। मैं राजभाषा अनुभाग के सभी सदस्यों को उनके प्रयासों के लिए बधाई देता हूँ। 'गोवायार्ड दर्शन' के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं।

शशिकांत शिवाजी कांबले
विभाग प्रमुख (मा सं एवं प्रशा)

संपादकीय



मुझे बेहद गर्व की अनुभूति हो रही है कि गोवा शिपयार्ड लिमिटेड को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु गौरवशाली राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान राजभाषा हिंदी कार्यान्वयन के प्रति हमारे निरंतर प्रयास का प्रतिफल है और हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। यह इस बात का प्रमाण है कि हम इस सार्थक पहल के रूप में एक सकारात्मक दिशा में बढ़ रहे हैं। राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में सफलता हमारा उत्साह बढ़ाती है और हमें हिंदी की प्रगति हेतु समर्पित भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित करती है।

गोवा शिपयार्ड ने राजभाषा के प्रति सम्मान एवं कर्तव्यनिष्ठा की भावना का परिचय देते हुए एक विशिष्ट स्थान बनाया है। राजभाषा कार्यान्वयन एक सामूहिक उत्तरदायित्व है, जिसमें हम सभी की समान सहभागिता होती है। हिंदी में कार्य करना केवल नियमों का अनुपालन मात्र नहीं है बल्कि हमारा दायित्व भी है। हमारा कर्तव्य है कि हम राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दें और इसे कामकाज की भाषा के रूप में स्वीकार करते हुए अधिक से अधिक लोगों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करें। इस दिशा में गोवा शिपयार्ड में राजभाषा हिंदी की प्रगति के लिए विभिन्न कदम उठाए गए हैं।

हमारी गृह पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' का वर्ष में दो बार प्रकाशन राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में हमारा सार्थक प्रयास है। यह पत्रिका गोवा शिपयार्ड के विविध क्रियाकलापों के विभिन्न आयामों को दर्शाती है और साथ ही हमारे कार्मिकों को रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए मंच प्रदान करती है। गोवा शिपयार्ड में हिंदी लेखन की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हिंदी पत्रिका में प्रकाशित उत्कृष्ट रचनाएं पुरस्कृत की जाती है।

आपके समक्ष 'गोवायार्ड दर्शन' का 24वां अंक प्रस्तुत करते हुए मुझे हर्ष का अनुभव हो रहा है। आपकी प्रतिक्रिया एवं बहुमूल्य सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

शुभकामनाओं के साथ ...

राजेन्द्र कुमार शर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

1.	श्री बृजेश कुमार उपाध्याय	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	अध्यक्ष
2.	रियर एडमिरल नेल्सन ए जे डि'सूज़ा	निदेशक (प्रचालन)	सदस्य
3.	श्री संजय कृष्ण नव्हाले	मुख्य सतर्कता अधिकारी	सदस्य
4.	कमोडोर (निवृत्त) शिरीष दुबे	मुख्य महाप्रबंधक (पी एंड पीसी)	सदस्य
5.	कमोडोर (निवृत्त) योगेश कुमार शर्मा	मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन)	सदस्य
6.	श्री पी रविन्द्रन	मुख्य महाप्रबंधक (वाणिज्य)	सदस्य
7.	श्री शाजेन कुरियन	मुख्य महाप्रबंधक (व्यावि एवं परियोजना)	सदस्य
8.	कमोडोर (निवृत्त) ए वासुदेवन	महाप्रबंधक (तकनीकी सेवाएं)	सदस्य
9.	श्री एम सुब्रमण्यम	महाप्रबंधक (वाणिज्य)	सदस्य
10.	श्री सुनील पी. यादव	महाप्रबंधक (परियोजना, वित्त एवं लेखा)	सदस्य
11.	श्री देवानंद एस. पाटेकर	महाप्रबंधक (उत्पादन – तटरक्षक परियोजना)	सदस्य
12.	श्री वी के देशपांडे	महाप्रबंधक (साइंसे एवं जम)	सदस्य
13.	श्री आनंद मुर्शिली	महाप्रबंधक (निगमित वित्त)	सदस्य
14.	श्री नागेश डी. पई	महाप्रबंधक (उत्पादन – नौसेना परियोजना)	सदस्य
15.	कमांडर (निवृत्त) सौरभ जैन	महाप्रबंधक (पी एंड पीसी)	सदस्य
16.	श्री आर एन माजालिकर	महाप्रबंधक (पी एंड पीसी)	सदस्य
17.	श्री विवेक के सैल	महाप्रबंधक (बाह्यस्रोत)	सदस्य
18.	श्री शशिकांत शिवाजी कांबले	विभाग प्रमुख (मानव संसाधन एवं प्रशासन)	सदस्य
19.	श्री किशोर सामंत	अपर महाप्रबंधक (विधि)	सदस्य
20.	श्रीमती छाया जैन	अपर महाप्रबंधक (कंपनी सचिव)	सदस्य
21.	श्री प्रकाश लक्ष्मण गावडे	विभाग प्रमुख (शिआप)	सदस्य
22.	डॉ. वेदपाल तारी	अपर महाप्रबंधक (चिकित्सा)	सदस्य
23.	श्री सनोज कुमार पांडेय	उपमहाप्रबंधक (आंतरिक लेखा)	सदस्य
24.	श्री एलेन सेबस्टियन	उप कमांडेंट (केऔसुब)	सदस्य
25.	लेफ़्टि कमां(निवृत्त) एस जायसवाल	अप्रनि के तकनीकी सहायक	सदस्य
26.	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा	वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)	सदस्य सचिव

इस अंक में ...

	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के आशीर्वचन	
	दो शब्द	
	संपादकीय	
	राजभाषा कार्यान्वयन समिति सदस्य	
	अनुक्रमणिका	
शुभागमन		
	रियर एडमिरल नेल्सन ए. जे. डि'सूज़ा, निदेशक (प्रचालन)	06
	श्री दीपक मनोहर पटवर्धन, श्री हसमुख हिंडोचा एवं श्री अमित सतीजा	07
अभिनंदन		
	श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अप्रनि, गोशिलि का प्रतिष्ठित स्कोप पर पुन: निर्वाचन	08
पुरस्कार		
	गोवा शिपयार्ड को महिला सशक्तिकरण हेतु प्रतिष्ठित स्कोप पुरस्कार	09
	सर्वश्रेष्ठ सीएमए सीएफओ पुरस्कार, टस्कर राष्ट्रीय पुरस्कार 2025, सीएसआर टाइम्स अवार्ड	10
	सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता, 'सर्वोच्च गुणवत्ता अभिविन्यास वाला संगठन' पुरस्कार, 35वां राष्ट्रीय सम्मेलन	11
दौरा		
	गोशिलि का दौरा	12-13
	विदेश दौरा	14
समुद्री आत्मनिर्भरता की ओर एक उड़ान		
	अगली पीढ़ी के ओपीवी यार्ड 1281 और 1282 की कील लेयिंग	15
	स्वदेशी युद्धपोत 'तवास्य' का जलावतरण	16-17
	भारतीय तटरक्षक के लिए स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रचेत' का जलावतरण	18-19
	यार्ड 1283 की कील लेयिंग	20-21
उत्सवों से सराबोर शिपयार्ड		
	राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह 2025	22-23
	अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025	24-26
	भारत रत्न डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 134वीं जयंती	27
	79वां स्वतंत्रता दिवस	28-29
	सीआईएसएफ स्थापना दिवस	30
शिपयार्ड में हिंदी के बढ़ते कदम		
	राकास बैठक / नराकास बैठक, हिंदी पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' का विमोचन	31
	राजभाषा संगोष्ठी एवं काव्यपाठ	32-33
प्रकृति और हम		
	अमृत फल - आंवला	34-37
आलेख		
	हिंदी सिनेमा की दिशा	38
	रीस मैगोस किला	39-41
	राष्ट्र की समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा की संस्कृति, शादी	42-43
काव्यांजलि		
	नारी एक रूप अनेक	44
	तेरे लिए	45
	पर्यावरण	46
	आत्मनिर्भर भारत	47
	कागज़ के चंद टुकड़े	48

संपादक मंडल

संरक्षक

श्री बृजेश कुमार उपाध्याय
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

मार्गदर्शक

श्री शशिकांत शिवाजी कांबले
विभाग प्रमुख
(मानव संसाधन एवं प्रशासन)

संपादक

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

सहयोग

हिंदी अनुभाग

विशेष सहयोग

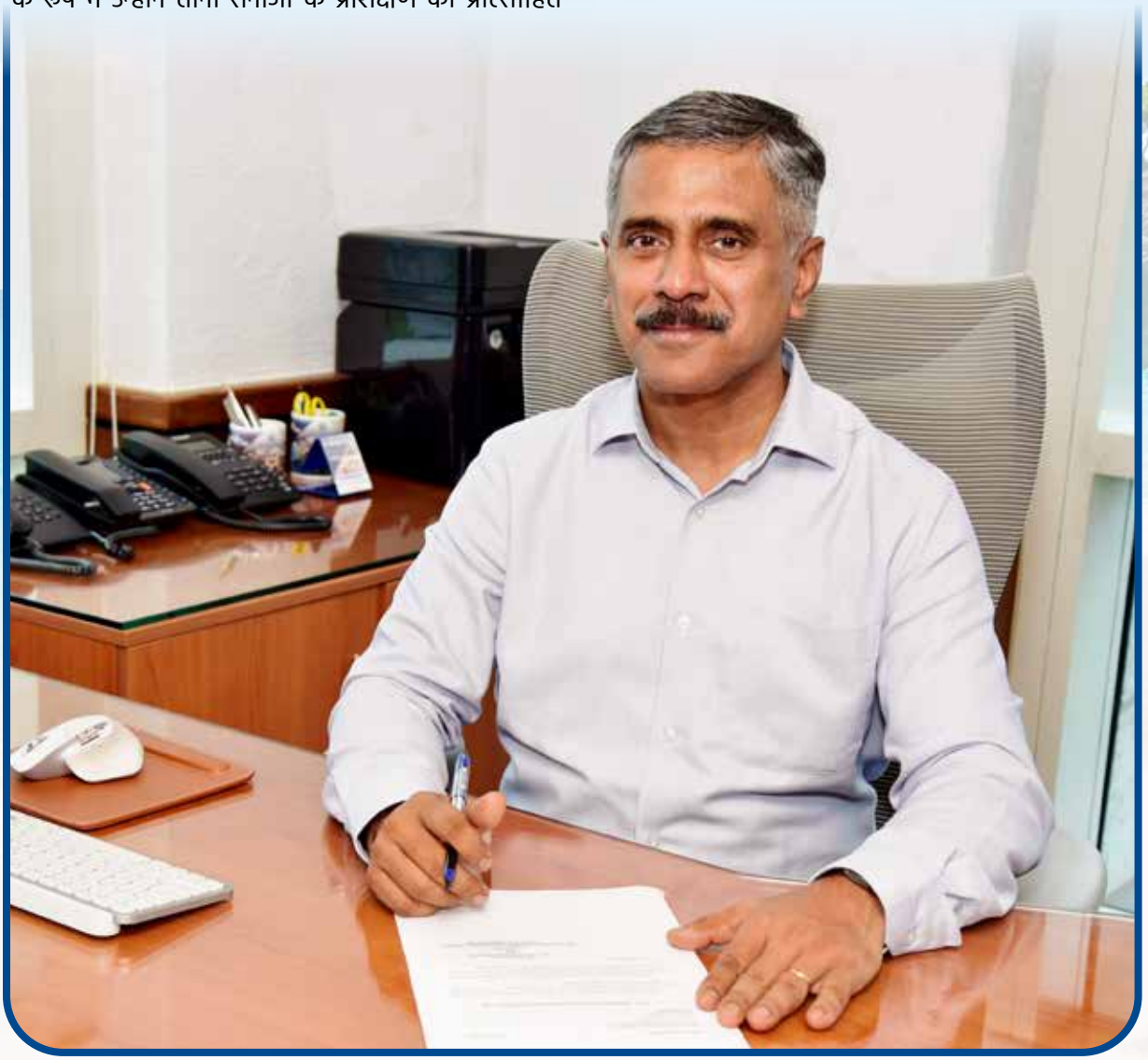
जनसंपर्क अनुभाग

(इस पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचारों से गोशिलि का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह रचनाकारों के अपने विचार हैं।)

पत्रिका डिज़ाइन एवं मुद्रित:
फोकस कम्युनिकेशन्स
104 सज्जद यसिन चेंबर्स, 30-एफ, बोमंजी लेन,
फोर्ट, मुंबई- 400001
ईमेल: info@focuscommunications.co.in

रियर एडमिरल नेल्सन ए जे डि'सूज़ा, नौप, भानौ (निवृत्त), निदेशक (प्रचालन)

रियर एडमिरल नेल्सन ए जे डि'सूज़ा ने 16 जून 2025 से गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के निदेशक (प्रचालन) के रूप में कार्यभार संभाला है। रियर एडमिरल नेल्सन ए.जे. डि'सूज़ा ने भारतीय नौसेना में नौसेना अधिकारी के रूप में 34 वर्षों से भी अधिक समय तक अपनी सेवाएं प्रदान की है और वे अपनी गहन तकनीकी विशेषज्ञता और रणनीतिक नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं। वे भारतीय नौसेना में कमीशन ऑफिसर के रूप में मार्च 1991 में नियुक्त किए गए। वे एसजेसीई मैसूर से बीई(इलेक्ट्रानिक एवं कम्यूनिकेशन), डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज (वेलिंगटन) और नेवल वॉर कॉलेज (गोवा) के पूर्व छात्र रहे हैं। भारतीय नौसेना में एमआयएलआयटी के कमांडेंट के रूप में उन्होंने तीनों सेनाओं के प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करने और उभरती हुई रक्षा प्रौद्योगिकियों में शैक्षणिक-उद्योग सहयोग को बढ़ावा देने की पहल की। रियर एडमिरल डि'सूज़ा के भारतीय नौसेना के शानदार कार्यकाल में उनकी वरिष्ठ पदों पर नियुक्तियां जैसे चीफ स्टाफ ऑफिसर (तकनीकी), पूर्वी नौसेना कमान, प्रधान निदेशक (आयुध उपकरण), नौसेना मुख्यालय और महाप्रबंधक (रीफिट), नौसेना डॉकयार्ड, मुंबई शामिल हैं। उन्होंने आयएनएस विराट, आयएनएस किर्च और आयएनएस मैसूर सहित भारतीय नौसेना के अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों पर इलेक्ट्रिकल अधिकारी के रूप में भी अपनी सेवाएं प्रदान की है। वर्ष 2018 में उन्हें विशिष्ट सेवाओं के लिए नौसेना पदक से सम्मानित किया गया।

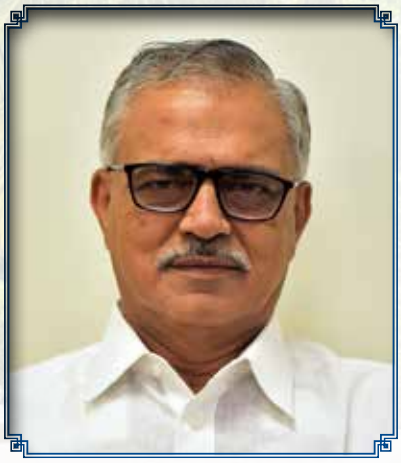


श्री दीपक मनोहर पटवर्धन, स्वतंत्र निदेशक



श्री दीपक मनोहर पटवर्धन को 21 अप्रैल 2025 से गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के अंशकालिक गैर-सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक के रूप में पुन: नियुक्त किया गया है। इससे पहले, वे 31.12.2021 से 30.12.2024 तक की अवधि के लिए गोशिलि में उक्त पद पर नियुक्त किए गए थे। श्री पटवर्धन वाणिज्य, एलएलबी और जी.डी.सी. एंड ए में स्नातकोत्तर हैं। वे 20 वर्षों के समृद्ध अनुभव वाले अधिवक्ता हैं। वे रत्नागिरी जिला सहकारी पतसंस्था महासंघ मर्यादित, रत्नागिरी के संस्थापक और अध्यक्ष हैं और स्वामी स्वरूपानंद सहकारी पतसंस्था मर्यादित रत्नागिरी जिला, एक सहकारी ऋण सोसायटी और 197 साल पुरानी लाइब्रेरी 'रत्नागिरी जिला नगर वाचनालय, रत्नागिरी' के अध्यक्ष हैं। वे रत्नागिरी जिला केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड और महाराष्ट्र राज्य सहकारी पतसंस्था फेडरेशन लिमिटेड के निदेशक के रूप में भी कार्यरत हैं।

श्री हसमुख हिंडोचा, स्वतंत्र निदेशक



श्री हसमुख हिंडोचा को 21 अप्रैल 2025 से गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के अंशकालिक गैर-सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक के रूप में पुन: नियुक्त किया गया है। इससे पहले, वे 03.01.2022 से 02.01.2025 तक की अवधि के लिए गोशिलि में उक्त पद पर नियुक्त किए गए थे। श्री हिंडोचा वाणिज्य और विधि में स्नातक हैं और 2004 से वकालत कर रहे हैं। वे गुजरात शहरी सहकारी बैंक फेडरेशन और राजकोट नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड, राजकोट के निदेशक हैं। उन्होंने 2006 से 2012 तक जामनगर नगर निगम के नगर शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष और नवानगर सहकारी बैंक लिमिटेड, जामनगर के पूर्व निदेशक के रूप में कार्य किया। वे जामनगर में विभिन्न ट्रस्टों के ट्रस्टी हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा तथा महिला विकास के क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

श्री अमित सतीजा अंशकालिक आधिकारिक (सरकारी) निदेशक



श्री अमित सतीजा एजीएमयूटी कैडर 2008 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी हैं और वर्तमान में रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव (डिफेन्स इंडस्ट्रीज प्रमोशन) के पद पर कार्यरत हैं। श्री सतीजा अर्थशास्त्र में स्नातक और जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई से मैनेजमेंट स्टडीज में स्नातकोत्तर है। भारत सरकार में शामिल होने से पहले उन्होंने दिल्ली, गोवा, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप द्वीप समूह सहित देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। उन्हें रक्षा संबंधित मामलों, लोक प्रशासन, गृह/जनगणना, वित्त, नगर विकास, उत्पाद शुल्क, भूमि राजस्व प्रबंधन और जिला प्रशासन, जल संसाधन, परिवहन तथा पर्यटन का व्यापक अनुभव है। वे, मिश्र धातु निगम लिमिटेड, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड और म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड में सरकारी नामित निदेशक और रक्षा नवाचार संगठन के बोर्ड में अतिरिक्त निदेशक के पद पर भी कार्यरत हैं।

श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अप्रनि, गोशिलि का प्रतिष्ठित स्कोप पर पुनः निर्वाचन



एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अप्रनि) श्री बृजेश कुमार उपाध्याय को लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए स्टैंडिंग कॉन्फ्रेंस ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज (स्कोप) के उपाध्यक्ष के रूप में पुनः निर्वाचित किया गया। यह प्रतिष्ठित पुनर्नियुक्ति श्री उपाध्याय के अनुकरणीय नेतृत्व, रणनीतिक दूरदर्शिता और भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की उन्नति के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। स्टैंडिंग कॉन्फ्रेंस ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज (स्कोप) केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाला शीर्ष व्यावसायिक संगठन है। यह सीपीएसई में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने, नीति सुधारों की वकालत करने और भारत के सार्वजनिक क्षेत्र की वृद्धि और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने वाली पहलों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चुनाव परिणाम स्कोप के द्विवार्षिक चुनाव 2025-27 के दौरान स्कोप के महानिदेशक श्री अतुल सोबती द्वारा सदस्य सीपीएसई के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में घोषित किए गए। श्री उपाध्याय का पुनः निर्वाचन सार्वजनिक क्षेत्र के समुदाय द्वारा उनके नेतृत्व और दृष्टिकोण में विश्वास और भरोसे को दर्शाता है। स्कोप के उपाध्यक्ष के रूप में, श्री उपाध्याय सीपीएसई हितों को बढ़ावा देने, प्रगतिशील नीतियों का समर्थन करने और सतत विकास और वृद्धि को बढ़ावा देने वाली पहलों को आगे बढ़ाने में सबसे आगे रहेंगे। जहाज निर्माण उद्योग में उनकी गहन विशेषज्ञता के साथ उनका अनुभवी नेतृत्व भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के भविष्य को आकार देने में अमूल्य होगा।

उनके नेतृत्व में, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने एक प्रमुख जहाज निर्माण उद्यम के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है तथा नवाचार, गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि के क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं। उनके कुशल नेतृत्व में कंपनी ने भारत की समुद्री रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने, भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल को अत्याधुनिक युद्धपोत और गश्ती जहाज प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्री उपाध्याय की लगातार दूसरी बार स्कोप के उपाध्यक्ष के रूप में पुनः नियुक्ति उद्योग जगत द्वारा उनके अटूट समर्पण, दूरदर्शी नेतृत्व और सार्वजनिक क्षेत्र में परिवर्तनकारी योगदान की स्वीकृति को दर्शाती है। स्कोप में उनके निरंतर नेतृत्व से संगठन के उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर सीपीएसई के हितों की रक्षा करने के मिशन को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद है।

गोशिलि के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि



भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा गोवा शिपयार्ड लिमिटेड को महिला सशक्तिकरण पहलों में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिष्ठित स्कोप एमिनेंस पुरस्कार प्रदान किया गया।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा महिला सशक्तिकरण की श्रेणी में प्रतिष्ठित स्कोप एमिनेंस अवार्ड 2022-23 से सम्मानित किया गया। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (गोशिलि) के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

गोशिलि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अप्रनि) श्री बृजेश कुमार उपाध्याय ने यह पुरस्कार लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, समावेशी कार्यस्थल नीतियों को बढ़ावा देने और महिला कर्मचारियों को नेतृत्वकारी भूमिकाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु सशक्त बनाने हेतु संगठन की उत्कृष्ट पहलों के लिए ग्रहण किया। इस समारोह में गोशिलि की ओर से की महिला प्रतिनिधियों के रुप में श्रीमती प्रिया भगत, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) और श्रीमती अश्विला शेतगांवकर, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) भी उपस्थित थीं।

माननीय राष्ट्रपति ने स्कोप एमिनेंस अवार्ड्स की सराहना करते हुए कहा कि यह राष्ट्र के विकास में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के महत्वपूर्ण योगदान का उत्सव है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय, तकनीकी और नैतिक आयामों में उत्कृष्टता एक प्रगतिशील उद्यम की सच्ची पहचान है। राष्ट्रपति ने समावेशी विकास और राष्ट्र-निर्माण के प्रति समग्र दृष्टिकोण को दर्शाते हुए, सतत विकास, कॉर्पोरेट प्रशासन, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और नवाचार जैसे विविध मानदंडों पर अच्छे प्रदर्शन को मान्यता देने के लिए स्कोप की सराहना की।

स्कोप द्वारा प्रारंभ किए गए एमिनेंस पुरस्कार विभिन्न श्रेणियों में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के मध्य उत्कृष्टता को सम्मानित करते हैं तथा राष्ट्र निर्माण, कॉर्पोरेट प्रशासन और सतत विकास को आगे बढ़ाने में उनकी भूमिका को मान्यता देते हैं।

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड, एक प्रमुख रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, ने महिला कर्मचारियों के लिए कौशल विकास, नेतृत्व प्रशिक्षण और कल्याणकारी उपायों के उद्देश्य से लगातार पहल की है, साथ ही 'विकसित भारत' मिशन के तहत लैंगिक समावेशिता और सशक्तिकरण के भारत सरकार के दृष्टिकोण में सक्रिय रूप से योगदान दिया है।

यह सम्मान न केवल सामाजिक समानता के प्रति गोशिलि की दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, बल्कि उत्कृष्टता, राष्ट्र निर्माण और सशक्तिकरण की उसकी सतत यात्रा में एक गौरवपूर्ण और प्रेरणादायक अध्याय भी जोड़ता है।





दिनांक 23 जून 2025 गोशिलि को नई दिल्ली में इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 19वें राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार (लागत प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए) और 8वें सीएमए पुरस्कार 2024 में दो विशिष्ट सम्मान प्राप्त हुए। ये सम्मान माननीय लोकसभा सांसद और वित्त संबंधी स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री भर्तृहरि महताब द्वारा (i) सर्वश्रेष्ठ सीएमए सीएफओ पुरस्कार 2024 श्री सुनील एस बागी, निदेशक (वित्त) को और (ii) मध्यम पीएसयू श्रेणी में लागत प्रबंधन में उत्कृष्टता 2024 प्रदान किए गए।

गोशिलि को दिनांक 17 मई 2025 को केरल के तिरुवनंतपुरम में आयोजित टस्कर राष्ट्रीय पुरस्कार 2025 में कॉर्पोरेट संचार में उत्कृष्टता के लिए रजत पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार माननीय सांसद डॉ. शशि थरूर के हाथों गोशिलि की ओर से श्री निखिल वाघ, जनसंपर्क अधिकारी ने ग्रहण किया।





गोशिलि को गोवा के माननीय मुख्यमंत्री के हाथों स्वास्थ्य सेवा पहल, "समुदाय के लिए कैंसर स्क्रीनिंग परियोजना" के लिए प्रतिष्ठित सीएसआर टाईम्स पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, गोशिलि ने "धारणीय विकास के माध्यम से राज्यों का सशक्तिकरण" विषय पर आयोजित एक गोष्ठी में भी भाग लिया।



कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की 14वीं क्षेत्रीय समिति की बैठक में गोशिलि को गोवा में सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता के रूप में मान्यता मिली। यह पुरस्कार उच्च पेंशन योजना के प्रभावी कार्यान्वयन और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए उचित लाभ सुनिश्चित करने में गोशिलि की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

दिनांक 10 जुलाई 2025 गोशिलि को मुंबई में आयोजित विश्व गुणवत्ता कांग्रेस एवं पुरस्कार के 14वें संस्करण में 'सर्वोच्च गुणवत्ता नीति वाला संगठन' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार गोशिलि की ओर से श्रीमती मरीन बॉबी जार्ज, अपर महाप्रबंधक (गुणवत्ता आश्वासन) एवं श्री नारायण सावल, उप महाप्रबंधक (गुणवत्ता आश्वासन) ने ग्रहण किया।





गोशिलि को नई दिल्ली में पीएसयू स्कोप के तत्वावधान में आयोजित सार्वजनिक क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं हेतु मंच के 35वें राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। "स्वयं की आभा से प्रकाशित पथ का सृजन करें" विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में सार्वजनिक उपक्रमों के कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट महिलाओं की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया।

गोशिलि का दौरा



जनरल सईद चानेग्रिहा, राष्ट्रीय रक्षा मंत्री के मंत्री प्रतिनिधि, सीओएस, पीपुल्स नेशनल आर्मी के नेतृत्व में अल्जीरिया के प्रतिनिधिमंडल ने गोशिलि का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने गोशिलि सुविधाओं के संदर्शन हेतु दौरा किया और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा हुई, जो भारत और अल्जीरिया के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाता है।





गोशिलि ने दिनांक 21 फरवरी 2025 को गोवा में विभिन्न संगठनों के मुख्य सतर्कता अधिकारियों के साथ सतर्कता अध्ययन मंडल-मुंबई चैप्टर की बैठक आयोजित की। इस कार्यक्रम में सतर्कता पर तकनीकी चर्चा के साथ-साथ गोशिलि की उन्नत जहाज निर्माण गतिविधियों और अत्याधुनिक तकनीक का गहन अध्ययन भी किया गया।

आयुध निदेशालय (सी एंड एस), रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ आईओएफ अधिकारियों सहित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के प्रतिनिधिमंडल ने गोशिलि का दौरा किया। इस दौरान ज्ञानवर्धक यार्ड भ्रमण और प्रस्तुतिकरण द्वारा रक्षा उत्पादन और मेक इन इंडिया में गोशिलि के योगदान पर प्रकाश डाला गया।







गोशिलि ने रोटरी डिस्ट्रिक्ट के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर श्री के. सतीश माधवन के नेतृत्व में बेंगलुरु से आए व्यापार प्रतिनिधिमंडल के लिए एक विक्रेता विकास बैठक सह व्यावसायिक चर्चा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन गोशिलि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री बी. के. उपाध्याय ने वरिष्ठ प्रबंधन की उपस्थिति में किया।





राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने, माननीय अध्यक्ष श्री अंतर सिंह आर्य के नेतृत्व में, अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए की गई पहलों की समीक्षा करने के लिए दिनांक 20 मई 2025 को गोशिलि का दौरा किया। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की टीम ने गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में अप्रनि, वरिष्ठ अधिकारियों और अनुसूचित जनजाति एसोसिएशन के कर्मचारियों के साथ आरक्षण नीति के कार्यान्वयन और अनुसूचित जनजातियों को प्रदान की गई विभिन्न अन्य सुरक्षा उपायों पर समीक्षा बैठक की। गोशिलि के अप्रनि श्री बृजेश कुमार उपाध्याय ने आयोग का स्वागत किया और गोशिलि और साथ ही गोवा में एसटी समुदाय के कल्याण के लिए गोशिलि द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों पर आयोग को विस्तृत प्रस्तुति दी। गोशिलि के अप्रनि ने सम्मानित प्रतिनिधिमंडल को सीएसआर पहलों सहित विभिन्न कल्याणकारी उपायों की जानकारी दी। उपाध्याय ने आयोग को गोशिलि की वर्तमान क्षमताओं और भविष्य के दृष्टिकोण से भी अवगत कराया। आयोग ने जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए गोशिलि द्वारा की जा रही सीएसआर गतिविधियों पर संतोष व्यक्त किया।

विदेश दौरा



गोशिलि ने तंजानिया के दार एस सलाम में आयोजित मिनी डिफेंस एक्सपो में अपने उत्पादों और रक्षा जहाज निर्माण क्षमता का प्रदर्शन किया। यह एक्सपो 'अफ्रीका इंडिया की मैरीटाइम एंगेजमेंट' के तहत आयोजित किया गया, जिसमें 10 अफ्रीकी देशों ने भाग लिया। तंजानिया की रक्षा एवं राष्ट्रीय सेवा मंत्री डॉ. स्टर्गोमेना लॉरेंस टैक्स ने अन्य महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों के साथ गोशिलि स्टॉल का दौरा किया। भारतीय पक्ष का प्रतिनिधित्व श्री संजय सेठ, माननीय रक्षा राज्य मंत्री, नौसेना प्रमुख, भारत के उच्चायुक्त और संयुक्त सचिव (डीआईपी)/रक्षा मंत्रालय ने किया। गोशिलि द्वारा निर्मित ओपीवी 'आईएनएस सुनयना' इस पहली एआईकेईवाईएमई पहल में भाग लिया। गोशिलि की ओर से श्री अभय वी. इंगे, विभाग प्रमुख (एफपीजी) इस एक्सपो में शामिल हुए।



गोशिलि ने एथेंस में आयोजित रक्षा प्रदर्शनी डीईएफईए 2025 (6 मई से 8 मई 2025) में भाग लिया और डीईएफईए में अपनी क्षमताओं का महत्वपूर्ण प्रदर्शन किया। इस भागीदारी ने रक्षा निर्माण में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता और वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति बढ़ाने की आकांक्षा को उजागर किया। गोशिलि की ओर से श्री शशिकांत शिवाजी कांबले, विभाग प्रमुख (मानव संसाधन एवं प्रशासन) तथा श्री विनायक गांवकर, वरिष्ठ प्रबंधक (ईपीएसपी) इस एक्सपो में शामिल हुए।

अगली पीढ़ी के ओपीवी यार्ड 1281 और 1282 की कील लेयिंग

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित किए जाने वाले अगली पीढ़ी के दूसरी और तीसरी अपतटीय गश्ती जहाजों (एनजीओपीवी) का कील लेयिंग 23 मार्च 2025 को मेसर्स योमन मरीन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (वाईएमएसपीएल), रत्नागिरी में आयोजित किया गया। 11 एनजीओपीवी के स्वदेशी डिजाइन और निर्माण के लिए अनुबंध 30 मार्च 2023 को रक्षा मंत्रालय और गोशिलि, गोवा और मेसर्स गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई), कोलकाता के बीच संपन्न हुआ था, जिनमें से सात जहाजों का निर्माण प्रमुख शिपयार्ड मेसर्स गोशिलि और चार जहाजों का निर्माण फॉलो शिपयार्ड मेसर्स जीआरएसई द्वारा किया जाना है।



यार्ड 1281 और यार्ड 1282 के मुख्य हल ब्लॉकों का निर्माण गोशिलि की निर्माण रणनीति के स्वरुप वाईएमएसपीएल, रत्नागिरी के परिसर में किया जा रहा है। दोनों जहाजों का कील लेयिंग समारोह रत्नागिरी में आयोजित किया गया, जिसमें भारतीय नौसेना, मेसर्स गोशिलि और मेसर्स वाईएमएसपीएल के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में मुख्य अतिथि के रूप में वाईस एडमिरल आर. स्वामीनाथन, युद्धपोत उत्पादन और अधिग्रहण नियंत्रक शामिल हुए।



लगभग 3000 टन के भार वाले एनजीओपीवी को तटीय रक्षा और निगरानी, खोज और बचाव कार्यों, अपतटीय संपत्तियों की सुरक्षा और एंटी-पायरेसी मिशनों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इन जहाजों का कील लेयिंग से समग्र परियोजना एक निर्धारित समयसीमा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगा। 11 एनजीओपीवी का निर्माण राष्ट्र के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के दृष्टिकोण के अनुरुप किया जा रहा है और ये भारतीय नौसेना की समुद्री शक्ति को बढ़ाने के लिए तैयार हैं।

स्वदेशी युद्धपोत 'तवास्य' का जलावतरण

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित प्रोजेक्ट 1135.6 श्रेणी दूसरे युद्धपोत (फ्रिगेट) तवास्य को 22 मार्च 2025 को लॉन्च किया गया। इस कार्यक्रम में रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ, पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर, वाइस एडमिरल संजय जे. सिंह, युद्धपोत उत्पादन एवं अधिग्रहण नियंत्रक, वाइस एडमिरल राजाराम स्वामीनाथन और अन्य वरिष्ठ नौसैनिक व सरकारी अधिकारी उपस्थित रहे। युद्धपोत के जलावतरण का शुभारंभ रक्षा राज्य मंत्री की धर्म पत्नी श्रीमती नीता सेठ द्वारा किया गया। इस युद्धपोत का नाम तवास्य महाभारत के महान योद्धा भीम की गदा से प्रेरित है, जो भारतीय नौसेना की अटूट शक्ति और बढ़ती ताकत का प्रतीक है। इस युद्धपोत का निर्माण भारत में ही किया गया है। इससे 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को मजबूती मिलेगी। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड और रक्षा मंत्रालय के बीच 25 जनवरी 2019 को प्रोजेक्ट 1135.6 के दो फालो आन युद्धपोतों के निर्माण का अनुबंध हुआ था।

रक्षा राज्य मंत्री, श्री संजय सेठ ने लॉन्च के अवसर पर जहाज पर विभिन्न प्रणालियों के सफल स्थानीयकरण का जिक्र करते हुए कहा कि तवास्य का लॉन्च भारतीय नौसेना के लिए न केवल आगे बढ़ाया गया एक कदम है, बल्कि भारत की रणनीतिक रक्षा महत्वाकांक्षाओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। मुख्य अतिथि श्री संजय सेठ ने केवल आठ महीनों के भीतर दूसरे फ्रिगेट लॉन्च करने में गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की असाधारण उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने नौसेना की बढ़ती आत्मनिर्भरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह लॉन्च भारत के नौसेना इतिहास में एक निर्णायक क्षण है, जो देश की तकनीकी क्षमताओं और आत्मनिर्भरता के लिए अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। रक्षा राज्य मंत्री के अनुसार, ये विकास भारत के जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र की परिपक्वता को प्रदर्शित करते हैं और सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को सुदृढ़ करते हैं।

पहले युद्धपोत 'त्रिपुट' को 23 जुलाई 2024 को लांच किया गया था। ये युद्धपोत सतह पर, पानी के नीचे और हवाई हमलों से निपटने के लिए डिजाइन किए गए हैं। 'तवास्य' और 'त्रिपुट' की लंबाई लगभग 125 मीटर है। इनका कुल भार लगभग 3600 टन है और अधिकतम गति 28 नाट्स तक जा सकती है। ये युद्धपोत स्टील्थ फीचर्स, अत्याधुनिक हथियार प्रणाली और आधुनिक प्लेटफार्म प्रबंधन प्रणालियों से लैस हैं। इस परियोजना के तहत स्वदेशी उपकरण, हथियार और सेंसर लगाए जा रहे हैं, जिससे रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार सृजन होगा और देश की सामरिक क्षमता में वृद्धि होगी।



प्रोजेक्ट 1135.6, जिसे तलवार-क्लास फ्रिगेट प्रोग्राम के रूप में भी जाना जाता है, रूसी क्रिवाक III-क्लास डिज़ाइन से व्युत्पन्न हुआ है और यह भारत-रूसी नौसैनिक सहयोग का परिणाम है। प्रारंभ में, इन मिसाइल फ्रिगेट का निर्माण रूस में किया गया था, लेकिन अतिरिक्त अनुवर्ती जहाजों का निर्माण अब भारतीय शिपयार्ड द्वारा स्वदेशी रूप से किया जा रहा है, जो रक्षा उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इन फ्रिगेट को बहु-भूमिका संचालन के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें एंटी-शिप, एंटी-सबमरीन और एंटी-एयर युद्ध शामिल हैं। स्टील्थ, गति और उत्तरजीविता पर ध्यान देने के साथ, वे विभिन्न समुद्री थिएटरों में भारतीय नौसेना के परिचालन लचीलेपन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाते है।

महाभारत में भीम की पौराणिक गदा के नाम पर "तवास्य", भारतीय नौसेना की अदम्य भावना और बढ़ती ताकत का प्रतीक है। यह युद्धपोत ब्रह्मोस मिसाइल, टारपीडो लांचर, सोनार, एमएम ए-190 नेवल गन, एंटी-सबमरीन रॉकेट लॉन्चर और अन्य आधुनिक नियंत्रण प्रणाली जैसे महत्वपूर्ण घटकों से लैस है। इसमें कामोव का-27 या का-31 जैसे नौसेना हेलीकॉप्टरों को संचालित करने में सक्षम विमानन सुविधाएं भी हैं, जो इसके पहले से ही बहुमुखी शस्त्रागार में एक हवाई पनडुब्बी रोधी और निगरानी क्षमता जोड़ती हैं। नौसेना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह युद्धपोत भारत की आत्मनिर्भरता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। 3800 टन वजनी इस पोत को आक्रामक और रक्षात्मक संचालन की विविध रेंज को अंजाम देने के लिए तैयार किया गया है। जैसा कि भारत इंडो-पैसिफिक में अपनी समुद्री उपस्थिति का दावा करना जारी रखता है, "तवास्य" जैसे जहाज राष्ट्रीय हितों की रक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता बनाएं रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाऐंगे। यह हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक प्रभुत्व और क्षमता सुनिश्चित करता है।

गोवा व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य एक्सपो एवं शिखर सम्मेलन 2025

फैक्ट्री एवं बॉयलर निरीक्षणालय, गोवा सरकार ने दिनांक 10 से 12 अप्रैल 2025 को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम, बाम्बोलिम, गोवा में अपना पहला गोवा व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य एक्सपो एवं शिखर सम्मेलन 2025 आयोजित किया। गोवा के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने मत्स्य पालन, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवाएं तथा फैक्ट्री एवं बॉयलर मंत्री श्री नीलकंठ हलर्नकर एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। गोशिलि से उत्पादन, सुरक्षा, चिकित्सा एवं मानव संसाधन विभाग से 08 अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के तीनों दिनों में 100 प्रशिक्षु प्रशिक्षणार्थी/प्रशिक्षित प्रशिक्षु एवं 50 अनुबंध कर्मचारी भी एक्सपो एवं शिखर सम्मेलन में शामिल हुए।



भारतीय तटरक्षक के लिए स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रचेत' का जलावतरण



गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित दो स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोतों (पीसीवी) में से अंतिम पोत 'समुद्र प्रचेत' को 23 जुलाई, 2025 को गोवा में भारतीय तटरक्षक बल के लिए लॉन्च किया गया। 72% स्वदेशी सामग्री के साथ, इस परियोजना ने स्थानीय उद्योग और एमएसएमई की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से राष्ट्रीय क्षमता निर्माण, रोजगार सृजन और कौशल संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन पोतों में अत्याधुनिक प्रतिक्रिया उपकरण लगे हैं और ये पोत विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र में किसी भी तेल रिसाव की स्थिति में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया देने में आईसीजी की मदद करेंगे।

114.5 मीटर लंबे, 16.5 मीटर चौड़े और 4,170 टन विस्थापन वाले इस जहाज पर 14 अधिकारी और 115 नाविक तैनात होंगे। इसमें दो साइड-स्वीपिंग आर्म्स लगे हैं जो चलते समय तेल रिसाव को एकत्रित कर सकते हैं, साथ ही तेल के धब्बों

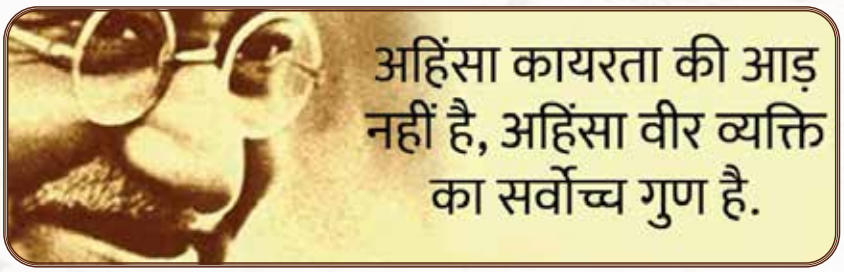


का पता लगाने के लिए एक आधुनिक रडार प्रणाली भी है। इस जहाज को पूरे श्यानता स्पेक्ट्रम में तेल निकालने, दूषित पानी को पंप करने, प्रदूषकों का विश्लेषण और पृथक्करण करने, और निकाले गए तेल को समर्पित ऑनबोर्ड टैंकों में संग्रहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

मुख्य अतिथि महानिदेशक भारतीय तटरक्षक, परमेश शिवमणि की उपस्थिति में, विशिष्ट अतिथि श्रीमती प्रिया परमेश ने पोत का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में, डीजीआईसीजी ने समुद्री क्षेत्र में भारतीय तटरक्षक बल के लिए स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने आईसीजी की प्रमुख जहाज निर्माण आवश्यकताओं को स्वदेशी रूप से पूरा करने के लिए गोशिलि और उद्योग द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। इसके अलावा, उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में सही दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, गोशिलि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री बृजेश कुमार उपाध्याय ने भारत की समुद्री पर्यावरणीय तैयारियों को आगे बढ़ाने में इस प्लेटफॉर्म के महत्वपूर्ण महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने असाधारण स्वदेशी सामग्री प्राप्त करने के लिए टीम गोशिलि के समर्पित प्रयासों की भी सराहना की, जो आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण योगदान है। इन जहाजों में अत्याधुनिक प्रतिक्रिया उपकरण लगाए गए हैं और ये जहाज विशेष आर्थिक क्षेत्र में किसी भी तेल रिसाव पर त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया देने में आईसीजी की मदद करेंगे। समारोह में रक्षा मंत्रालय, भारतीय तटरक्षक बल और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। पहला प्रदूषण नियंत्रण पोत 29 अगस्त, 2024 को लॉन्च किया गया था और जल्द ही इसकी डिलीवरी होने की उम्मीद है।





यार्ड 1283 का कील लेयिंग समारोह

रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख रक्षा उपक्रम गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (गोशिलि) ने यार्ड 1283 की कील लेयिंग के साथ देश की समुद्री क्षमता निर्माण यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की, यह भारतीय नौसेना के लिए प्रतिष्ठित नेक्स्ट जनरेशन ऑफशोर पेट्रोल वेसल (एनजीओपीवी) श्रृंखला का चौथा जहाज है। 09 जून 2025 को आयोजित समारोह में वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन, एवीएसएम, वीएसएम, नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख (वीसीएनएस) द्वारा नौसेना विरासत से जुड़ी एक गंभीर और गरिमापूर्ण परंपरा के अनुसार कील रखी गयी। कील लेयिंग से सात एनजीओपीवी के निर्माण में निरंतर प्रगति का संकेत मिलता है, जिन्हें 30 मार्च 2023 को हस्ताक्षरित ₹6,200 करोड़ के अनुबंध के तहत गोशिलि द्वारा पूरी तरह से इन-हाउस डिजाइन और निर्मित किया जा रहा है। इन जहाजों को भारतीय नौसेना की परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया गया है और ये भारत की परिपक्व स्वदेशी डिजाइन और जहाज निर्माण क्षमताओं के प्रमाण के रूप में खड़े हैं। प्रत्येक जहाज की लंबाई 114 मीटर, चौड़ाई 14.6 मीटर और विस्थापन 2,700 टन होगा। इन जहाजों में कंट्रोलेबल पिच प्रोपेलर के साथ दोहरी डीजल प्रणोदन की सुविधा होगी और ये अत्याधुनिक स्वदेशी हथियारों और सेंसर से लैस होंगे।

वरिष्ठ नेतृत्व और परियोजना से जुड़ी टीमों के साथ अपनी बातचीत में वाइस एडमिरल स्वामीनाथन ने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए उनके अटूट समर्पण के लिए रक्षा मंत्रालय, भारतीय नौसेना और भारतीय जहाज निर्माण उद्योग की सराहना की। उन्होंने महत्वपूर्ण नौसेना परियोजनाओं के निष्पादन की गुणवत्ता और निर्माण कार्य में गति पर संतोष व्यक्त किया और निश्चित समयसीमा में उत्कृष्टता के लिए शिपयार्ड के निरंतर प्रयास की प्रशंसा की। गोशिलि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री बृजेश कुमार उपाध्याय ने शिपयार्ड के त्वरित विकास पथ पर प्रकाश डाला, जो स्वदेशीकरण, प्रौद्योगिकी समावेशन और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन पर फोकस द्वारा समर्थित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गोशिलि की विकसित होती क्षमताओं ने इसे भारत के नौसैनिक जहाज



निर्माण मानचित्र में सबसे आगे रखा है, जिसमें चल रही परियोजनाओं में प्रभावशाली स्वदेशी सामग्री है।

अप्रनि ने कहा, "ये रणनीतिक आदेश न केवल विश्वास के पैमाने को दर्शाते हैं, बल्कि हम पर सौंपी गई जिम्मेदारी के दायरे को भी दर्शाते हैं।" उन्होंने आगे कहा कि "गोशिलि आत्मनिर्भरता, नवाचार और राष्ट्रीय सेवा के स्तंभों पर निर्मित विश्वस्तरीय युद्धपोतों की आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है।" गोशिलि की जहाज निर्माण गतिविधियां न केवल भारत के समुद्री सुरक्षा तंत्र को मजबूत कर रही हैं, बल्कि स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करके, एमएसएमई को सशक्त बनाकर और हजारों रोजगार के अवसर पैदा करके राष्ट्रीय आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। शिपयार्ड की बढ़ती ऑर्डर बुक और स्वदेशी विनिर्माण की भावना एक ऐसे उभरते भारत का प्रतीक है जो 'आत्मनिर्भरता' की दिशा में आत्मविश्वास से भरे कदम उठा रहा है।



गूंजी हिन्दी विश्व में
स्वप्न हुआ साकार
राष्ट्र संघ के मंच से
हिन्दी का जयकार
हिंदी का जयकार
हिन्दी हिन्दी में बोला
देश स्वभाषा प्रेम
विश्व अजरज में डोला
कह कैदी कविराय



मेम की माया टूटी
भारत माता धन्य
स्नेह की सरिता फूटी!



अटल बिहारी वाजपेयी

राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह 2025



दिनांक 14 अप्रैल 2025 को गोशिलि में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ, समारोह के मुख्य अतिथि श्री क्लिफ़र्ड परेरा, मुख्य महाप्रबंधक (योजना एवं परियोजना नियंत्रण) द्वारा दिनांक 14 अप्रैल 1944 को विक्टोरिया डॉक, बाम्बे में जहाज एस. एस. फोर्ट स्टिकिन में अपनी जान गंवाने वाले फायरमैन शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए 2 मिनट का मौन रख कर किया गया। इस अवसर पर श्री संजय के. नव्हाले, मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री पी. रविन्द्रन, महाप्रबंधक (उत्पादन), श्री सुनील पी. यादव, महाप्रबंधक (परियोजना, वित्त एवं लेखा), श्री शशिकांत एस. कांबले, विभाग प्रमुख (मा.सं. एवं प्रशा), अन्य विभाग प्रमुख एवं श्री विभु सिंह प्रतिहार, उप कमांडेंट (केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) समारोह में उपस्थित रहे। पूरे सप्ताह के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

दिनांक 15 अप्रैल 2025 को ठेका मजदूरों एवं गोशिलि कर्मचारियों और प्रशिक्षु प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा अग्निशमन उपकरण संचालन कक्षा का आयोजन एवं प्रदर्शन किया गया। दिनांक 16 अप्रैल 2025 को रेजिना मुंडी स्कूल एवं सुशेनाश्रम विद्यालय के बच्चों हेतु प्राथमिक चिकित्सा अग्निशमन उपकरण संचालन कक्षा का आयोजन एवं प्रदर्शन किया गया। साथ ही कक्षा तीसरी से पाँचवीं, छठवीं से आठवीं एवं कक्षा दसवीं से बारहवीं के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता तथा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

सीआईएसएफ एसडब्ल्यू कार्मिकों तथा गोशिलि कर्मचारियों के लिए अग्निशामक यंत्र अभ्यास प्रतियोगिता / प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। दिनांक 17 अप्रैल 2024 को छात्रों के लिए स्कूल में प्राथमिक चिकित्सा अग्निशमन प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन, जहाज एलपीजी गंगा के लिए प्राथमिक चिकित्सा अग्निशमन उपकरण संचालन कक्षा और केऔसुब सुरक्षा विंग कर्मियों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनांक 17 अप्रैल 2024 को गोशिलि के आकस्मिक मजदूर महिलाओं के लिए एलपीजी सुरक्षा एवं प्राथमिक चिकित्सा अग्निशमन कक्षा का आयोजन किया गया। बाद में, गोशिलि के आकस्मिक मजदूर महिलाओं के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में श्रीमती रेणुका तलवार ने प्रथम, श्रीमती बसम्मा पुजारी ने द्वितीय और श्रीमती मोहिनी ने तृतीय स्थान हासिल किया।





दिनांक 18 अप्रैल 2024 को केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के गृहणियों के लिए अग्नि सुरक्षा से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में श्रीमती रूपल ठाकरे ने प्रथम, श्रीमती सोनाली चौधरी ने द्वितीय और श्रीमती पूनम पाटिल ने तृतीय स्थान हासिल किया। दिनांक 18 अप्रैल 2025 को ही केऔसुब सुरक्षा कर्मियों और गोशिलि कर्मचारियों के लिए अग्निशमन सेवा सप्ताह पर हिंदी एवं अंग्रेजी में घोषवाक्य लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हिंदी घोषवाक्य लेखन प्रतियोगिता में श्री विनोद कुमार कुमावट ने प्रथम, श्री अतुल खराड ने द्वितीय एवं श्री अशोक टी. बिराजदार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं अंग्रेजी घोषवाक्य लेखन प्रतियोगिता में सुश्री दिव्या घरसे ने प्रथम, श्री सौगत कुमार पालित ने द्वितीय, सुश्री संगीता ने नाईक तृतीय एवं श्रीमती कविता आचार्य ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

दिनांक 18 अप्रैल 2024 को फिट इंडिया मूवमेंट के प्रचार-प्रसार के लिए यूनिट लाइन में योग प्रशिक्षण तथा केऔसुब सुरक्षा कर्मियों और गोशिलि कर्मचारियों के लिए अग्निशमन सेवा सप्ताह पर हिंदी एवं अंग्रेजी में घोषवाक्य लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनांक 19 अप्रैल 2024 को केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के बच्चों के लिए तीसरी से पाँचवीं, छठवीं से आठवीं एवं कक्षा दसवीं से बारहवीं के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता तथा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ड्राइंग प्रतियोगिता के कक्षा तीसरी से पाँचवीं में प्रणव तुषार ठाकरे ने प्रथम, चौरे शिवम ने द्वितीय और कपिल प्रताप सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा छठवीं से आठवीं में कुमारी चौरे अमृता ने प्रथम, हितेष पाटिल ने द्वितीय, कार्तिक ध्रुव कुमार ने तृतीय स्थान और विराज बालाजी मेटकरी एवं तियाशा अर्जुन गोरें ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता के कक्षा दसवीं से बारहवीं में भावेश पाटिल ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

दिनांक 19 अप्रैल 2025 को गोशिलि के जहाज मरम्मत विभाग के कर्मचारियों सह ठेकेदार श्रमिकों के लिए प्राथमिक चिकित्सा अग्निशमन उपकरण संचालन प्रशिक्षण और आग बुझाने की ड्रिल प्रतियोगिता आयोजित की गई। खेलो इंडिया कार्यक्रम के प्रसार के लिए यूनिट में वॉलीबॉल मैच एवं केऔसुब फायर विंग कर्मियों के लिए फायर ड्रिल प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

दिनांक 22 अप्रैल 2025 को श्री सुनील बागी, निदेशक (वित्त) की अध्यक्षता में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न हुआ। समारोह में श्री संजय के. नव्हाले, मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री पी. रविन्द्रन, महाप्रबंधक (उत्पादन), श्री शशिकांत एस. कांबले, विभाग प्रमुख (मा.सं. एवं प्रशा) एवं अन्य विभाग प्रमुख उपस्थित र हे।



अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025



हर साल की तरह इस बार भी 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस बार योग दिवस की थीम को पृथ्वी और पर्यावरण से जोड़ा गया। इस साल यानी 2025 में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम है- "योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ" यानी "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग"। जो कि यह दर्शाती है कि हमारी सेहत और धरती की सेहत एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। यह भारतीय संस्कृति की 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा से जुड़ी है, जिसका मतलब है – सारी दुनिया एक परिवार है। योग न केवल भारत की प्राचीन परंपरा का अनमोल तोहफा है, बल्कि ये पूरी दुनिया के लिए सेहतमंद जीवन का रास्ता भी है। योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक संतुलन को भी बनाए रखने में मदद करता है। भारत में योग का इतिहास बेहद पुराना है और अब पूरा विश्व इस स्वास्थ्य प्रदायिनी विधा पर यकीन करने लगा है। यही वजह है कि हर साल 21 जून को पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। ये दिन योग की महत्ता को पहचानने और इसके लाभों को के विषय में प्रचार के उद्देश्य से मनाया जाता है। योग कोई नया चलन नहीं, बल्कि हजारों साल पुरानी एक आध्यात्मिक और शारीरिक स्वास्थ्य से जुड़ा विज्ञान है, जिसकी जड़ें भारत में गहराई तक फैली हुई हैं। ऋषि-मुनियों ने इसे न सिर्फ शरीर की मजबूती बल्कि मन की शांति के लिए भी अपनाया। ऐसे में, आज योग दुनिया भर में हेल्दी लाइफस्टाइल का दूसरा नाम बन चुका है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक प्रस्ताव रखा था कि योग के महत्व को देखते हुए इसे एक अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किया जाए। 11 दिसंबर 2014 को यूएनजीए ने ये प्रस्ताव पारित कर दिया और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। 21 जून इसलिए चुना गया क्योंकि ये उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे लंबा दिन होता है और इसे आध्यात्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है।





पहली बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया। इस दिन दिल्ली में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ था, जिसमें 35,985 लोगों ने एक साथ योग किया और 84 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस आयोजन ने दो गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स भी बनाए। तब से हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर विभिन्न जगहों पर कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। पार्क हों या ऑफिस, स्कूल हों या सोशल मीडिया - हर जगह लोग योगाभ्यास करते नजर आते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर संदेश श्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "योग हमारी प्राचीन परंपरा का अमूल्य उपहार है। ये शरीर और मन, विचार और कर्म, आत्मा और ब्रह्मांड के बीच एकता का प्रतीक है। ये सिर्फ व्यायाम नहीं है, बल्कि खुद को, समाज को और प्रकृति को जानने का माध्यम है।" आज 11 साल बाद हम देख रहे हैं कि योग दुनिया भर में करोड़ों लोगों की जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। मुझे गर्व होता है जब मैं देखता हूँ कि हमारे दिव्यांग साथी योग शास्त्र पढ़ते हैं, वैज्ञानिक अंतरिक्ष में योग करते हैं। आज की भागदौड़



भरी जिंदगी में तनाव, चिंता, नींद न आना, पीठ दर्द जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। योग इन सभी परेशानियों से राहत देने में मदद करता है। ये न केवल शरीर को लचीला और मजबूत बनाता है, बल्कि ध्यान और प्राणायाम से मन को भी शांत करता है। खासकर छात्रों के लिए योग फोकस बढ़ाने, अच्छी नींद लाने और पोश्चर ठीक करने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि योग मानवता को सांस लेने, संतुलन बनाने और फिर से संपूर्ण बनाने के लिए आवश्यक है। उन्होंने उस ऐतिहासिक लम्हें को याद किया, जब भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता देने का प्रस्ताव रखा था। बहुत कम वक्त में 175 देश भारत के साथ खड़े हो गए। योग दिवस के अवसर पर वैश्विक समुदाय से विशेष अपील करते हुए आग्रह किया कि इस योग दिवस को मानवता के लिए योग 2.0 की शुरुआत का प्रतीक बनाएं, जहाँ आंतरिक शांति वैश्विक बनेगी। उन्होंने जोर दिया कि योग को केवल एक व्यक्तिगत अभ्यास नहीं रहना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक राष्ट्र और प्रत्येक समाज से योग को अपनी जीवनशैली और सार्वजनिक नीति में शामिल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा," योग को चाहिए कि वह विश्व को संघर्ष से सहयोग की ओर और तनाव से समाधान की ओर ले जाए।" उन्होंने आग्रह किया कि प्रत्येक व्यक्ति अपने दिन का आरंभ योग से करे ताकि जीवन में संतुलन आए और प्रत्येक समाज तनाव से मुक्त होने के लिए योग को अपनाए।



गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने भी 21 जून 2025 को पूरे जोश के साथ गोवा शिपयार्ड एन्क्लेव, चिकालिम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 मनाया और समग्र स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। सुबह के सत्र में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल कर्मी एवं उनके परिवार के सदस्यों ने भाग लिया जिसका संचालन भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के प्रमाणित योग प्रशिक्षकों द्वारा किया गया। सत्र का उद्घाटन श्री सुनील बागी, निदेशक (वित्त) द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया। उपस्थित लोगों ने योगासन, प्राणायाम और निर्देशित ध्यान के संरक्षित अनुक्रम में भाग लिया। अभ्यास सत्रों के अतिरिक्त कार्यक्रम में जीवनशैली संबंधी विकारों और तनाव प्रबंधन पर गहन विचार-विमर्श भी शामिल था, जिसमें इस महत्वपूर्ण सिद्धांत पर बल दिया गया कि संतुलित मन और लचीला शरीर, उत्पादक कार्यबल का आधार है। भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के योग शिक्षक श्री लक्ष्मण मांद्रेकर प्रात: 07:10 से 8:15 तक योग आसन सिखाए। योग शिक्षकों ने विभिन्न योग आसनों का प्रदर्शन करते हुए सबका मार्गदर्शन किया। 08:50 से 10:15 के सत्र में दैनंदिन जीवन में योग की महत्ता पर व्याख्यान दिया गया। विभिन्न योग शिक्षकों द्वारा योग के अलग-अलग सत्र आयोजित किए गए, जो शरीर के विभिन्न अंगों पर योग का प्रभाव आधारित थे। उन्होंने इन आसनों को करने से होने वाले फायदे और हमारे शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव का संक्षिप्त विवरण भी दिया।



भारत रत्न डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 134वीं जयंती



गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में 14 अप्रैल 2025 को भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की 134वीं जयंती बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाई गई। इस समारोह की अध्यक्षता गोशिलि के अप्रनि श्री बृजेश कुमार उपाध्याय ने मुख्य अतिथि के रूप में की। रक्षा उत्पादन विभाग (डीडीपी) की उप सचिव, श्रीमती परमजीत कौर इस अवसर पर विशेष आमंत्रित सदस्य थी इनके अलावा श्री सुनील बागी, निदेशक (वित्त), श्री संजय नव्हाले, मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री शशिकांत एस कांबले, विभाग प्रमुख (मानव संसाधन एवं प्रशासन) और गोवा शिपयार्ड अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष श्री चेतन परदेशी मंच पर मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि, गणमान्य व्यक्तियों और अन्य लोगों द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करके की गई। संगठन के सदस्यों द्वारा 'धम्म वंदना', 'पंचशील' और 'सामूहिक प्रार्थना' का पाठ किया गया।

मुख्य अतिथि, श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गोशिलि ने कार्यक्रम के महत्व और दलित समुदाय और राष्ट्र के कल्याण के लिए भारत के संविधान के संबंध में डॉ. बी.आर. अंबेडकर द्वारा दिए गए योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान, वास्को के आसपास के 25 अजा/अजजा छात्रों को स्टेशनरी का सामान गणमान्य व्यक्तियों के हाथों दिया गया। गोशिलि अजा/अजजा कर्मचारी एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री चेतन परदेशी ने उपस्थितों का स्वागत किया। श्रीमती पूर्णिमा जी. सावंत और श्री संजय राम ने समारोह का सूत्र संचालन किया और कार्यक्रम का समापन संगठन की उपाध्यक्ष श्रीमती शिवांशी एस. कवलेकर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।



79वां स्वतंत्रता दिवस



गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने अपने परिसर में "स्वतंत्रता का सम्मान, सुरक्षित भविष्य का आश्वासन" विषय पर भारत का 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े गर्व के साथ मनाया। समारोह की शुरुआत गोशिलि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री बृजेश कुमार उपाध्याय द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई, जिसके बाद राष्ट्रगान और औपचारिक सलामी दी गई। इस अवसर पर केऔसुबल द्वारा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। गोशिलि सेरेनेड ग्रुप द्वारा हिंदी, कोंकणी एवं मराठी में देशभक्ति गीतों के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों एवं बहादुर सैनिकों की कुर्बानियों को याद किया गया। वास्को म्यूनिसिपल स्कूल के बच्चों द्वारा देशभक्ति पर आधारित नाटक एवं औद्योगिक सुरक्षा के महत्व को दर्शाती झाँकी प्रस्तुत की गई। केऔसुबल के कार्मिकों ने कार्यक्रम के दौरान बहुत ही बढिया अस्त्र-शस्त्र अभ्यास प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सभी कर्मचारी, अधिकारी और उनके परिवार एकजुट होकर देश के स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने और भारत की निरंतर प्रगति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुनिश्चित करने के लिए एकत्र हुए थे।

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, श्री बृजेश कुमार उपाध्याय ने कहा - "आज, जब हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का स्मरण करते हैं, तो हम उनके सम्मान में नवाचार, स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता से आकार लेने वाले विकसित भारत के भविष्य की आशा भी करते हैं। आज हमारा



गोवा शिपयार्ड विरासत और नेतृत्व के संगम पर खड़ा है, जो इस बात का गौरवपूर्ण उदाहरण है कि भारत में रक्षा निर्माण हमारे देश के रणनीतिक भविष्य को कैसे शक्ति प्रदान कर रहा है। निरंतर स्वदेशीकरण और तकनीकी उत्कृष्टता के माध्यम से, गोशिलि एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।" "गोशिलि के कार्य की गुणवत्ता सीधे राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ी है। समय पर सुपुर्दगी और त्रुटिहीन निष्पादन सिर्फ आकांक्षाएं नहीं हैं; बल्कि यह हमारा उत्तरदायित्व हैं। जब हम एक युद्धपोत सुपुर्द करते हैं, तो हम सिर्फ एक अनुबंध पूरा नहीं कर रहे होते है, बल्कि हम अपने गणतंत्र के प्रति एक रणनीतिक प्रतिबद्धता का सम्मान कर रहे होते हैं।" उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में गोशिलि की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया, जिसने भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल और विदेशी मित्र देशों की नौसेनाओं को अनेक तकनीकी रुप से उन्नत युद्धपोत और जहाज सुपुर्द किए हैं, साथ ही विश्वस्तरीय

गुणवत्ता और सुपुर्दगी की समय-सीमा को लगातार बनाए रखा है।



स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों के अंतर्गत गोशिलि ने विभिन्न सामुदायिक कल्याण हेतु की जाने वाली पहलों का आयोजन किया, जिनमें स्वच्छ भारत अभियान और हर घर तिरंगा के तहत स्वच्छता अभियान शामिल हैं, जो हमारी कंपनी की धारणीय और सर्व समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। कर्मचारियों और उनके परिवारों ने इनमें सम्मिलित होकर कार्यक्रमों को जीवंत बना दिया और भारत की समृद्ध विरासत और विविधता में एकता का जश्न मनाया। छह दशकों से भी अधिक की विरासत के साथ, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड राष्ट्रीय सेवा के प्रति अपने अटूट समर्पण के माध्यम से स्वतंत्रता की भावना का सम्मान कर रहा है और जहाज निर्माण में नवाचार, अखंडता और उत्कृष्टता के माध्यम से भावी पीढ़ियों को प्रेरित करता है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर गोशिलि कर्मचारियों को उनके कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान किए गए एवं केऔसुबल को श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु पुरस्कार दिया गया तथा मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।





सीआईएसएफ स्थापना दिवस



सीआईएसएफ का पूरा नाम केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल है। यह गृह मंत्रालय के अधीन एक सशस्त्र बल है जो भारत में औद्योगिक इकाइयों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को सुरक्षा प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है। यह देश की संपत्तियों और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अर्धसैनिक बल के रूप में सीआईएसएफ को समर्पण और भारत में सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जाना जाता है। सुरक्षा सेवाओं से लेकर राष्ट्र की संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तक केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल हर चीज का ख्याल रखता है। महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीआईएसएफ की प्रतिबद्धता उजागर होती है। सीआईएसएफ हमारी सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करता है। वर्ष 1969 के 10 मार्च को सीआईएसएफ की स्थापना की गई, तब से हर वर्ष 10 मार्च को सीआईएसएफ स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। शुरु में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की सुरक्षा के लिए बनाया गया सीआईएसएफ अब पूरे भारत में हवाई अड्डों, बंदरगाहों, मेट्रो स्टेशनों और अन्य सहित महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए विकसित हुआ है। स्थापना दिवस सीआईएसएफ में सेवा करने वाले कर्मियों के समर्पण और बलिदान का सम्मान करता है। इस दिन परेड और उत्कृष्ट अधिकारियों एवं कर्मियों को उनकी असाधारण सेवा के लिए सम्मानित करने सहित विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया जाता है।

सीआईएसएफ स्थापना दिवस के आयोजनों को सफल बनाने के लिए थीम निर्धारित की जाती है। इस बार सीआईएसएफ स्थापना दिवस पर साइक्लोथॉन की थीम 'सुरक्षित तट, समृद्ध भारत' निर्धारित की गई है।



राकास बैठक में गृह पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' का विमोचन

श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में दिनांक 24 मार्च 2025 एवं दिनांक 12 जून 2025 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की क्रमश: 104वीं एवं 105वीं तिमाही बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान गोशिलि में राजभाषा हिंदी गतिविधियों के विषय में विस्तार से चर्चा की गई। हिंदी पुस्तकालय के लिए नई हिंदी पुस्तक खरीद के विषय में चर्चा के पश्चात निर्णय लिया गया। राकास समिति द्वारा गोशिलि के आंतरिक अनुभागों/ विभागों में हिंदी की प्रगति के लिए उठाए गए कदमों की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा सभी निदेशकों एवं राकास सदस्यों की उपस्थिति में हिंदी गृह पत्रिका "गोवायार्ड दर्शन अक्तूबर 2024 - मार्च 2025" का विमोचन किया गया।



नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

दिनांक 25 अप्रैल 2025 को अपराह्न 1500 बजे नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, दक्षिण गोवा के सितंबर माह की बैठक डॉ. एन. विनोदकुमार, आइपीओएस, अध्यक्ष, मुरगांव पत्तन प्राधिकरण की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में गोशिलि की ओर से श्री शशिकांत शिवाजी कांबले, विभाग प्रमुख (मानव संसाधन एवं प्रशासन), श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) तथा श्री संतोष कुमार सावंत, कनिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने भाग लिया। बैठक में तकनीकी साधनों का उपयोग करते हुए हिंदी के कार्यान्वयन के संबंध में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।





राजभाषा संगोष्ठी एवं काव्यपाठ



गोशिलि में दिनांक 07 मार्च, 2025 को मल्टीपर्पस हॉल, कॉर्पोरेट बिल्डिंग में "राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के विविध आयाम" विषय पर राजभाषा संगोष्ठी एवं काव्यपाठ का सफल आयोजन किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री एम. कलयरसन, अपर महाप्रबंधक (प्रशासन) थे। इस कार्यक्रम में नराकास पणजी, नराकास मडगांव तथा नराकास दक्षिण गोवा तीनों नराकास के सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. शुभ्रता मिश्रा, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता प्राप्त विज्ञान हिंदी लेखिका तथा कवयित्री मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने "राजभाषा के प्रचार-प्रसार के विविध आयाम" पर अपने बहुमूल्य विचार प्रस्तुत किए। संगोष्ठी में उपस्थित सदस्यों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। संगोष्ठी में बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, नेशनल इंश्योरेंश, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, गोवा विमानपत्तन, तकनीकी प्रशिक्षण रेजीमेंट, भारतीय नौसेना पोत हंस, समुद्री वाणिज्य विभाग, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, एनसीपीओआर के अधिकारी एवं कर्मचारीगण सम्मिलित हुए।



तदोपरान्त उपस्थित तीनों नराकास सदस्य कार्यालयों से उपस्थित कवियों ने अपनी-अपनी कविताएं प्रस्तुत की। श्री विशाल नारायण ने 'लोगों को बतलाने दो', डॉ. शुभ्रता मिश्रा द्वारा प्रस्तुत कविता 'टेबलेट आहार', श्री प्रेम कुमार गौड़ द्वारा माँ भारती के प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक सौन्दर्य को बखान करती सोहन लाल द्विवेदी जी की कविता और श्री हिमांशु तोमर की कविता को लोगों ने काफी सराहा। वहीं सुश्री निलोफर बागवान द्वारा प्रस्तुत कविता 'कहानी एक परी की' को सुनकर उपस्थित श्रोताओं की



आंखों में आँसू आ गए। कवियों ने अपनी कविता से समां बांधे रखा, वहीं कुछ नए कवियों ने भी अपनी कविताएं प्रस्तुत की। केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 की छात्रा कुमारी संजुक्ता पालित ने 'हमारी मातृभाषा हिंदी' पर कविता प्रस्तुत की। श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा मुहावरों पर प्रस्तुत कविता पर लोगों ने खूब ठहाके लगाए। संगोष्ठी का संचालन श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया। गोवा के विभिन्न कार्यालयों से उपस्थित वक्ताओं और कवियों की सहभागिता ने आयोजन को सफल बनाया।





अमृत फल: आंवला

आंवला एक ऐसा फल है, जिसके अनगिनत लाभ होते हैं। आंवले को सुपरफूड भी कहा जाता है। इसका वानस्पतिक नाम फिलैंथस एम्ब्लिका है। इसके कई सामान्य भारतीय नाम हैं जैसे कि गूजबेरी, एम्ब्लिक मायरोबालन और मलक्का ट्री। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में इसे विभिन्न नामों, जैसे हिंदी में 'आँवला', बंगाली एवं उड़िया में 'अमला' या 'आमलकी', तमिल एवं मलयालम में 'नेल्ली', तेलगु में 'अमलाकामू, गुरुमुखी में 'अमोलफल', तथा अंग्रेजी में 'ऐम्बलिक', 'माइरोबालान' या इंडियन गूजबेरी के नाम से जाना जाता है। संस्कृत में आंवला को 'धात्री' या 'अमलकी' कहते हैं, जिसका अर्थ है जीवन का अमृत। संपूर्ण विश्व में आंवला ही एक ऐसा फल है, जिसे 'अमृत' समान माना जाता है। विशेष बात यह है कि इस फल का अवतरण भारत में हुआ और इसे देवताओं के बेहद करीब माना जाता है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की नवमी को आंवला के पेड़ नीचे पूजन की परंपरा है। इसका धार्मिक महत्व है और पुराणों तक में इसका वर्णन है। यह इतना लाभकारी है कि इसके वृक्ष तक की विशेष पूजा की जाती है। इस फल की विशेषता इसलिए है कि यह मनुष्य को जवान बनाए रखने के साथ-साथ निरोगी भी बनाए रखता है। इस 'अमृत-फल' का नाम है आंवला, गुणों की खान है - आंवला।

आंवला में विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट्स, फाइबर, प्रोटीन, कैल्शियम समेत कई पोषक तत्व होते हैं, जो स्वास्थ्य को अनगिनत फायदे पहुंचाते हैं। सर्दियों के मौसम में लोग विटामिन सी से युक्त आंवले का सेवन खूब करते हैं। आंवले के गुणों के बारे में आयुर्वेद से लेकर डॉक्टर तक बताते हैं। आयुर्वेद में आंवला को बेहद महत्वपूर्ण औषधि बताया गया है। आंवला को आयुर्वेद में अमृतफल या धात्रीफल कहा गया है। वैदिक काल से ही आंवला का प्रयोग औषधि के रूप में किया जा रहा है। पेड़-पौधे से जो औषधि बनती है उसको काष्ठौषधि कहते हैं और धातु-खनिज से जो औषधि बनती है उनको रसौषधि कहते हैं। इन दोनों तरह की औषधि में आंवला का इस्तेमाल किया जाता है। यहां तक कि आंवला को रसायन द्रव्यों में सबसे अच्छा माना जाता है।

आंवला में विटामिन सी, ए, बी1 और ई, एंटीऑक्सीडेंट्स, फाइबर, कैल्शियम, पोटैशियम, प्रोटीन जैसे तमाम पोषक



तत्व पाए जाते हैं, जो वजन घटाने, बीपी को कंट्रोल, ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने और हार्ट हेल्थ को बूस्ट कर सकते हैं। आंवले में विटामिन सी की मात्रा अधिक होती है, जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है। जिससे शरीर संक्रमण और बीमारियों से लड़ने में सक्षम बनता है। आंवले में प्रचुर मात्रा में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं, जिसके चलते इसका सेवन करने से स्किन को कई बेनिफिट्स मिल सकते हैं। आंवला कोलेजन के प्रोडक्शन को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे स्किन लंबे समय तक यंग रहती है। आवंले के सेवन से चेहरे पर चमक बढ़ाने और उम्र बढ़ने वाली कोशिकाओं को कम करने में भी मदद मिलती है।

आंवले के अर्क में कैंसर विरोधी गुण होते हैं, जो कैंसर से बचाव करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही आंवला कोशिका उत्परिवर्तन को रोकने में भी मददगार साबित हो सकता है, जो ट्यूमर और कैंसर के विकास का कारण बनता है। रोजाना सुबह खाली पेट आंवले का सेवन करने से ब्लड शुगर के लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। आंवला में मौजूद फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स इंसुलिन के उत्पादन को बढ़ावा देते हैं और ब्लड शुगर को बढ़ने से रोकते हैं। ऐसे में डायबिटीज के मरीजों को इस फल को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। नियमित सुबह खाली पेट आंवले का जूस पीने से हार्ट हेल्थ बेहतर होती है। यह फल हाई बीपी, बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है, जिससे हार्ट अटैक, स्ट्रोक जैसे हृदय संबंधी रोगों का खतरा भी कम होता है। इसका इस्तेमाल कई तरह की बीमारियों का इलाज करने में किया जाता है।



आंवला का प्रतिदिन सेवन करने से इम्यूनिटी को बूस्ट करने, सर्दी-जुकाम समेत अन्य मौसमी रोगों से बचाव करने, जोड़ों के दर्द से राहत पाने, और पाचन तंत्र को सुधारने में मदद मिलती है। इसमें ऐसे शक्तिशाली गुण हैं जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं, पाचन और आंत के स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। अम्लीय गुण होने के कारण यह गठिया में भी लाभ पहुंचाता है। आंवला शरीर के पित्त, वात और कफ को संतुलित करने में मदद करता है। आंवला, पीपल और हरड़ सभी तरह के बुखार से राहत दिलाने में सहायता करता है। यह दर्द निवारक दवा के रूप में भी काम करता है। आंवला बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है।

आखों के लिए खास फायदेमंद : आंखों की किसी भी तरह की समस्या के लिए आंवला बेहद फायदेमंद है। आंवला आंखों की रोशनी को बढ़ाने में भी मददगार है। इसमें मौजूद विटामिन-सी, एंटीऑक्सीडेंट्स और ओमेगा 3 फैटी एसिड नेत्र ज्योति बढ़ाता है। आमतौर पर उम्र के बढ़ने के साथ कई लोगों को मोतियाबिंद की परेशानी होने लगती है। इससे बचने के लिए आंवला के साथ रसांजन, मधु और घी मिला लें। इस मिश्रण को आंखों में लगाने से आंखों के पीलेपन और मोतियाबिंद में फायदा मिलता है। आंवले के 1-2 बूंद रस को आंखों में डालने से आंखों के दर्द से राहत मिलती है। आंवले के बीज को घिसकर आंखों में लगाने से आंखों के रोग में

फायदा पहुंचता है। आंवले के पत्ते और फल का मिश्रण आंखों में लगाएं। इससे आंख आने की परेशानी से राहत मिलती है।

बाल झड़ने और सफेद होने से रोकता है : आंवला में एंटीऑक्सीडेंट्स, आयरन और विटामिन सी प्रचुर मात्रा में मिलता है, जो बालों को झड़ने से रोकता है और उन्हें घना बनाने में मदद करता है। जब बाल बेजान और रुखे-सूखे हो जाते हैं तब आंवला का प्रयोग करने पर बालों में एक नई जान आ जाती है। आंवला का पेस्ट लगाने पर रुखे बाल काले, घने और चमकदार नजर आने लगाते हैं। सफेद बालों की समस्या से हर उम्र के लोग जूझ रहे हैं। आंवला के मिश्रण का लेप लगाने से कुछ ही दिनों में बाल काले हो जाते हैं।

हड्डियों को बनाता मजबूत : आंवला हड्डियों को मजबूत बनाता है। ऑस्टियोअर्थराइटिस और जोड़ों में दर्द जैसी समस्याओं से भी निजात व आराम दिलाता है। आंवले में काफी मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है, जो हड्डियों को कमजोर पड़ने नहीं देता है। आंवला शरीर में अतिरिक्त कैल्शियम के अवशोषण में भी मददगार है।

मोटापा बढ़ने से रोकता : आंवला मोटापा बढ़ने से भी रोकता है। आंवला खाने से शरीर से सारे टॉक्सिन को बाहर निकलते हैं। इसके सेवन से पाचन क्रिया सुचारु रहती है और खनिज लवण समेत विटामिन को अच्छी तरह से अवशोषित करता है। इससे शरीर का वजन नियंत्रित और कम होता है।

खून को साफ करता है : आंवला फल में एंटीऑक्सीडेंट्स प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। ये एंटीऑक्सीडेंट्स खून को साफ करने के साथ शरीर से नुकसानदेह पदार्थों को बाहर निकालते हैं। यह दस्त, मधुमेह, जलन की परेशानी में लाभ पहुंचाता है। इसके साथ ही यह जॉन्डिस, हाइपर-एसिडिटी, एनीमिया, रक्तपित्त (नाक-कान से खून बहने की समस्या), वात-पित्त के साथ-साथ बवासीर या हेमोराइड में भी फायदेमंद होता है। यह मल त्याग करने की प्रक्रिया को आसान बनाता है।

दिल के रोगियों के लिए लाभप्रद : आंवला खाने से खून में खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर नहीं बढ़ता है। आंवले में मौजूद अमीनो एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स से हृदय गति सुचारु रहती है। ब्लड प्रेशर संबंधित समस्याओं को भी दूर करता है। इससे हृदय को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचता है और शरीर स्वस्थ रहता है।

त्वचा में लाता निखार : आंवला खाने से खूबसूरती भी बढ़ती है। सौंदर्य बनाए रखने के लिए आंवला रामबाण है क्योंकि इसके सेवन से त्वचा में निखार आता है और दमकती रहती है। इसमें मौजूद एंटी-फंगल त्वचा के फंगल व बैक्टीरियल इंफेक्शन को दूर करते हैं।

यह सांसों की बीमारी, खांसी और







कफ संबंधी रोगों से राहत दिलाने में सहायता करता है।

नाक से खून बहने की समस्या अनेक कारणों से हो सकती है। इसमें आंवला फायदेमंद होता है। जामुन, आम तथा आंवले को कांजी आदि के साथ बारीक पीस लें। इसे मस्तक पर लेप करने से नकसीर (नाक से खून बहने की समस्या) में लाभ होता है।

अम्लपित्त या हाइपरएसिडिटी आजकल आम समस्या बन गई है। बच्चों से लेकर बूढ़े, किसी को भी यह समस्या हो सकती है। आंवले के 10 ग्राम बीजों को रात भर जल में भिगोकर रखें। अगले दिन गाय के दूध में बीजों को पीस लें। इसे 250 मिली गाय के दूध के साथ सेवन करें। इससे एसिडिटी में लाभ होता है।

आंवला को डाइट में शामिल कर आप हेल्थ और ब्यूटी दोनों पा सकते हैं। इसे डाइट में शामिल करने के कई तरीके हैं। आप इसका जूस, मुरब्बा, चटनी, सब्जी के रुप में सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा आप आंवला पाउडर को रोज़ सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ मिलाकर पी सकते हैं। आंवला और एलोवेरा जूस को एक साथ मिलाकर पीना भी फायदेमंद होता है। आप चाहें तो कच्चा आंवला भी खा सकते हैं।

लेकिन आंवला हर किसी के लिए इतना लाभदायक नहीं होता। जानें किन्हें आंवले का सेवन नहीं करना चाहिए। कुछ खास परिस्थितियों में आंवले का सेवन नहीं किया जाता या काफी कम मात्रा में करने की सलाह दी जाती है। 5 तरह के लोगों को आंवले का सेवन करने से फायदे कम और नुकसान अधिक होने की संभावना रहती है।

(i) जिन लोगों को हाइपर एसिडिटी की समस्या है, उन्हें आंवले का सेवन नहीं करना चाहिए। दरअसल, विटामिन सी से भरपूर आंवला खाने से ऐसे लोगों के पेट में एसिड अधिक बनने लगता है। कई बार देखा गया है कि हाइपर एसिडिटी के मरीजों में आंवले के सेवन से स्थिति और खराब हो गई है। खाली पेट तो ये आंवले का जूस या आंवले का सेवन बिना एक्सपर्ट की सलाह के नहीं कर सकते।

(ii) जिनकी सर्जरी होनी है, उनके लिए भी आंवले का सेवन करना लाभदायक नहीं माना जाता। सर्जरी से 2 सप्ताह पहले आंवला खाना बंद कर देना चाहिए। डॉक्टर की सलाह से ही ये आंवले का सेवन कर सकते हैं।

(iii) आंवला ब्लड शुगर के लेवल को कम करने में मददगार है। ऐसे में वे लोग, जिनका लो ब्लड शुगर लेवल रहता है, उनके लिए इसका सेवन लाभदायक नहीं है। डायबिटीज के जो रोगी आंवले का सेवन करते हैं वे भी शुगर लेवल चेक करते रहते हैं।

(iv) जो लोग ब्लड-रिलेटेड डिसऑर्डर से पीड़ित हैं, वे आंवले का सेवन नहीं कर सकते। दरअसल, आंवले में ऐसे गुण होते हैं जो ब्लड को पतला कर सकता है। ऐसे में बिना डॉक्टर की सलाह लिए आंवले का सेवन नहीं किया जाना चाहिए।

(v) अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आंवला खाने से स्किन में ड्राइनेस अधिक बढ़ सकती है। कई बार तो इसके अत्यधिक सेवन से ड्राईनेस इतनी बढ़ जाती है कि बालों का झड़ना, खुजली, अत्यधिक रूसी होने लगती है।



हिंदी सिनेमा की दिशा



सांस्कृतिक समाज की रचना के लिए हिंदी सिनेमा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। समाज में प्रत्येक नागरिक को सुचारु रुप से जीवन जीने के लिए शिक्षा की आवश्यकता है। सरकार ने शिक्षा के प्रसार और प्रचार के लिए आज बहुत धन व्यय किया। मगर शिक्षा का ज्यादा प्रचार-प्रसार नहीं हुआ, इससे अधिक प्रभावी काम हिंदी सिनेमा ने किया। जगत के हर व्यक्ति पर सिनेमा का प्रभाव है और इस क्षेत्र में भारतीय नागरिक भी अपवाद नहीं है। भारतीय जन मानस जितनी शिक्षा सिनेमा से ग्रहण करता है, शायद ही अन्य माध्यमों से उतनी शिक्षा आजादी से पूर्व और आजादी में समाज करता है।

आज हिंदी सिनेमा ने काफी तरक्की की है। सिनेमा सामाजिक जीवन का प्रतिबिम्ब होता है। समाज के सभी पहलू के दर्शन उसमें होते हैं। सिनेमा ने समाज को जागृत करने, एकता स्थापित करने, भाईचारा बढ़ाने, पारिवारिक संस्कारों का पोषण करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हिंदी सिनेमा का रुप आज कल विस्मृत सा होता जा रहा है। वह आज दिशा भ्रमित होता नजर आ रहा है। आज सिनेमा में दिनों-दिन बढ़ती हिंसा, अश्लीलता, बुरे और गंदे अर्थ वाले गीत अधिक मात्रा में दिखाए जाते हैं, परिणामस्वरुप इन सब बातों ने आज सिनेमा को कलंकित करना शुरु कर दिया है। हिंदी सिनेमा उद्देश्य लक्ष्य विहीन हो रहा है। आज का हिंदी सिनेमा यानि अश्लीलता और हिंसा का समीकरण बन गया है।





पाश्चात्य सांस्कृति के प्रभावस्वरुप हिंदी सिनेमा समाज और परिवार के लिए विनाशक सिद्ध हो रहा है। उसमें नारी दर्शन हमारी सभ्यता के विपरीत है। पर कुछ सिनेमा साफ-सुथरी, पारिवारिक, उद्देश्यपरक, आदर्श कहानी के कारण इसके लिए अपवाद बने हैं। सिनेमा के साथ-साथ टेलीविजन का सीरियल भी वही काम कर रहा है। इसमें भी हिंसा और अश्लीलता के दर्शन होते हैं। मगर कई सीरियल ऐसी भी हैं, जो मनोरंजन एवं सुंदर कहानी के कारण, भक्ति पूर्ण होने के कारण काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। उदाहरण - महाभारत, रामायण, चार दिवस सासुके। वैसे हिंदी सिनेमा में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, उसे उचित दिशा-निर्देशन की आवश्यकता है। आज भारतीय सिनेमा ने सिर्फ भारत में ही नहीं अपितु विदेशों में भी सफलता प्राप्त की है। भारतीय संस्कृति, परिवार, व्यवस्था, सांस्कृतिक समारोह की सीधी-साधी कहानियों से विदेशी प्रभावित हुए हैं। आज अगर हिंदी सिनेमा या भारतीय सिनेमा को उचित मार्गदर्शन मिले तो यह दुनिया में अपना महत्वपूर्ण स्थान पा सकता है, इसमें कोई शक नहीं।

आज भारतीय समाज दिशाहीन हो गया है। न तो उसके सामने ऊँचा आदर्श है, न वह सामाजिक मूल्यों का पालन कर रहा है। वह पथभ्रष्ट होता नजर आ रहा है। सभी भारतीय लोगों का सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, राजनैतिक उत्थान करने का कार्य हिंदी सिनेमा कर सकता है। आज ऐसे आदर्श सिनेमा का निर्माण होना चाहिए, कि जिसमें समग्र मानव की मानसिकता परिवर्तित हो जाए और वह ऊँचे आदर्शों का अनुकरण करें। इसी में देश का भविष्य और हित निर्भर है।

प्रविण आनंद पाटील
बीएडब्ल्यू

रीस मैगोस किला

गोवा अपने समुद्र तटों, नाइटलाइफ़ और व्यंजनों के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यहाँ भारत के कुछ सबसे आकर्षक किले भी हैं ? रीस मैगोस किला गोवा का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रत्न है जिसे आपको देखना नहीं भूलना चाहिए। रीस मैगोस किला मांडवी नदी के किनारे स्थित है। यह गोवा का सबसे पुराना किला है और सदियों से यह कई घटनाओं और परिवर्तनों का साक्षी रहा। अब इसे अपने पुराने गौरव को बहाल किया गया है और अब इसमें दो अद्भुत दीर्घाएँ हैं जो गोवा की कला और विरासत को प्रदर्शित करती हैं। यदि आप गोवा में एक अनोखे और समृद्ध अनुभव की तलाश में हैं, तो आपको रीस मैगोस किले की यात्रा अवश्य करनी चाहिए। चाहे आप इतिहास के शौकीन हों, संस्कृति प्रेमी हों या प्रकृति के दीवाने हों, आपको रीस मैगोस किले में आनंद लेने के लिए कुछ न कुछ अवश्य मिलेगा।

राजधानी पणजी में मांडवी नदी के उस पार, बार्देज़ तालुका में रीस मैगोस किला दुश्मन के आक्रमण के खिलाफ पुर्तगाली शासकों के पहले गढ़ों में से एक था। यह किला आज रीस मैगोस चर्च के सामने पहाड़ी पर खड़ा है। यद्यपि यह गोवा का सबसे बड़ा किला नहीं है। जिस स्थान पर आज किला खड़ा है, वह 1493 में एक छोटी सैन्य चौकी के रूप में शुरु हुआ था, जिसे 1493 में बीजापुर के तत्कालीन राजा आदिल शाह ने बनवाया था। जब पुर्तगालियों द्वारा सल्तनत को हराया गया था, तो 1551 में तत्कालीन राजधानी वेल्हा गोवा के लिए रक्षा की पहली पंक्ति के रूप में एक किले का निर्माण किया गया था। 1707 में पूरी तरह से पुनर्निर्मित होने से पहले, इस किले का कई बार विस्तार किया गया था। रीस मैगोस किले का उपयोग शुरू में वायसराय और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के घर के लिए किया जाता था जो पुर्तगाल से आ रहे थे या प्रस्थान कर रहे थे। हालांकि, पड़ोसी भारतीय राज्यों से आक्रमण के खतरे के साथ, किला एक सैन्य गढ़ बन गया। 1739 में, गोवा पर मराठों द्वारा आक्रमण किया गया, तब इसका इस्तेमाल उन दुश्मनों को खदेड़ने के लिए किया गया, जिन्होंने बार्देज़ तालुका पर कब्जा कर लिया था। ऐसा कहा जाता है कि अंग्रेजों ने 1798 से नेपोलियन युद्ध की अवधि के लिए किले पर कब्जा कर लिया था। यह किला वर्ष 1799 – 1813 के बीच अंग्रेजों के शासन में आ गया, तब इसका इस्तेमाल अपने सैनिकों को रखने के लिए किया जाता था। रीस मैगोस किले का उपयोग उप-जेल के रूप में भी किया जाता था जहाँ अल्पकालिक कैदियों को रखा जाता था। 1900 की शुरुआत में नौसैनिक हमले के कम खतरे के साथ





और गोवा की राजधानी को वेल्हा गोवा से पणजी में स्थानांतरित करने के साथ, यह किला एक सैन्य किलेबंदी के रूप में अनुपयोगी हो गया। 1950 के दशक में गोवा के मुक्ति आंदोलन के दौरान किले का कुछ हिस्सा स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा भी इस्तेमाल किया गया था। किले को 1993 तक जेल के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा, इस अवधि के दौरान, इसमें कई बदलाव हुए। अगले कुछ वर्षों के लिए, किले को पूरी तरह से छोड़ दिया गया था। किले की हालत गंभीर रूप से बिगड़ने लगी। वर्ष 2007 में, गोवा सरकार ने आयएनटीएसीएच और हेलेन हैमलिन ट्रस्ट के साथ एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए। जिसके अनुसार किले को सांस्कृतिक केंद्र के रूप में उपयोग करने के लिए पुनर्स्थापित करने का निर्णय लिया गया। हेलेन हैमलिन ट्रस्ट ने किले के जीर्णोद्धार परियोजना को प्रायोजित किया था। वर्ष 2008 में किले के एक बड़े हिस्से का पुनर्निर्माण किया गया। तत्कालीन जेल को अब एक विशाल संग्रहालय में बदल दिया गया है, जिसमें इतिहास को बड़े गर्व के साथ दर्शाया गया है। रीस मैगोस किला अब एक सांस्कृतिक केंद्र के रूप में कार्य करता है।

रीस मैगोस किला पूरी तरह से सशस्त्र गैरीसन को समायोजित कर सकता है और इसमें भूमिगत कमरे और मार्ग का खजाना है। किले की दीवारों के भीतर एक ताजे पानी का झरना भी है जो सैनिकों को इस आवश्यक संसाधन के साथ अच्छी तरह से आपूर्ति करता है। विभिन्न आकारों के 33 तोपों के एक शस्त्रागार के साथ किला गोवा की तत्कालीन राजधानी के लिए मांडवी तक अपना रास्ता बनाने वाले आक्रमणकारियों से निपटने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित था। हालांकि यह डच जहाजों के विद्रोह को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं था।

दाबोलिम हवाई अड्डे से 30 किमी, करमली रेलवे स्टेशन से 12 किमी और गोवा की राजधानी पणजी बस स्टैंड से 7 किमी दूर है। यह मांडवी नदी के तट पर, फोर्ट आग्वडा किले से लगभग दो मील दूर स्थित है। किले तक सड़क मार्ग से आसानी से पहुँचा जा सकता है, क्योंकि यह राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर स्थित है जो पणजी को कलंगुट और अन्य लोकप्रिय समुद्र तट



स्थलों से जोड़ता है। आप अपनी पसंद और बजट के आधार पर कार, टैक्सी, बस या बाइक से किले तक पहुँच सकते हैं। निकटतम बस स्टॉप वेरेम गाँव में है, जो किले से लगभग 1 किमी दूर है। आप नौका द्वारा भी किले तक पहुँच सकते हैं, क्योंकि किले के पास एक जेटी है जो पणजी और बेतिम को जोड़ती है। पर्यटक मंगलवार से रविवार तक सुबह 9:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक किले का दौरा कर सकते हैं। प्रवेश शुल्क वयस्कों के लिए 50 रुपये, छात्रों के लिए 25 रुपये, 8 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए नि:शुल्क प्रवेश और रविवार एवं गोवा सरकार के सार्वजनिक अवकाश के दिन प्रति व्यक्ति 10 रुपए प्रवेश शुल्क रहता है।



रीस मैगोस किला इस क्षेत्र का एकमात्र आकर्षण नहीं है, क्योंकि किले के पास घूमने और आनंद लेने के लिए कई अन्य स्थान हैं। इनमें से कुछ हैं :

रीस मैगोस चर्च: यह 16वीं शताब्दी का एक सुंदर सफेद चर्च है। इसमें एक बारोक मुखौटा और एक रोकोको इंटीरियर है, जिसमें पेंटिंग, मूर्तियाँ और वेदियाँ हैं। चर्च में एक संग्रहालय भी है जो चर्च की स्थापना करने वाले फ्रांसिस्कन भिक्षुओं के अवशेष और वस्त्र प्रदर्शित करता है।

कोको बीच: यह किले से लगभग 2 किमी दूर एक छोटा और एकांत समुद्र तट है। यह एक शांत और सुंदर समुद्र तट है जो किले और नदी का दृश्य प्रस्तुत करता है। यह आराम करने, तैरने या जेट स्कीइंग, बनाना बोट या पैरासेलिंग जैसे पानी के खेलों का आनंद लेने के लिए एक अच्छी जगह है।

कैंडोलिम बीच: किले से लगभग 4 किमी दूर यह गोवा के सबसे लोकप्रिय और जीवंत समुद्र तटों में से एक है। यह एक लंबा और रेतीला समुद्र तट है, जो कई तरह की गतिविधियों के लिए जाना जाता है, जैसे सन बाथ, सर्फिंग या खरीदारी। कई बार, क्लब और रेस्तरां होने के कारण यह अपनी नाइटलाइफ़ के लिए भी जाना जाता है, जो अलग-अलग स्वाद और बजट को पूरा करते हैं।

सिकेरी किला: रीस मैगोस किले से लगभग 6 किमी दूर यह एक छोटा और पुराना किला है, जिसे 16वीं शताब्दी में पुर्तगालियों ने बनवाया था। यह एक चट्टानी प्रांत पर स्थित है जो अरब सागर की ओर देखता है। यह सूर्यास्त और समुद्री हवा का आनंद लेने के लिए एक अच्छी जगह है।





सौगत कुमार पालित
मानव संसाधन एवं प्रशासन

राष्ट्र की समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा की संस्कृति

आम जनता को जो आसानी से समझ न आए ऐसे संस्कृत के श्लोक से शुरुआत नहीं करूँगा। राष्ट्र की समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा की संस्कृति इस मुद्दे पर मेरा विचार सच्चा, सरल और मधुर रखने की कोशिश करूँगा। एक कड़वी सच्चाई के साथ आगे बढ़ता हूँ। 2022 में प्रस्तुत की गई भ्रष्टाचार धारणा सूचिका के अनुसार विश्व के 193 देशों में से हमारे देश का स्थान 85वां है। "पारदर्शिता और ईमानदारी के मामले में हमारा देश हमेशा से आगे था" लेकिन ये सूचिका कुछ और ही बोल रही है। इस परिस्थिति का कारण अगर ढूँढ़ा जाए तो यह पता चलेगा कि हम अपने सदियों पुरानी संस्कृति और उसके नैतिकता के मूल्य को भूल गए हैं। इसी कारण हम आज तक सत्य, निष्ठा और पारदर्शिता को पूरी तरह से अपनी ज़िंदगी में अपना नहीं पाए।

अब समय आ गया है .... हमें बेईमानी के खिलाफ कदम उठाना चाहिए नहीं तो हम फिर से 100 साल पीछे चले जाएंगे अर्थात अंत में हमारा ही नुकसान होगा। अब सवाल ये है कि परिवर्तन कहाँ से लाएं और उसकी शुरुआत कहाँ से करें .... ?

"इतिहास ने हमें ये सिखाया था कि परिवर्तन से जीवन में प्रगति होती है, अनुभव ये सिखाता है कि प्रगति से ही मनुष्य प्रज्वलित होता है।"

इसी बात को डार्विन ने अपने सिद्धांत में बताया था समीप भविष्य में प्रज्वलित भारत बनाने के लिए कुछ जरूरी बातें हैं –

1. ईमानदारी की शिक्षा:-

शिक्षा के क्षेत्र में ईमानदारी का अभ्यास के महत्व को एक छोटी से उदाहरण के साथ प्रस्तुत करूँगा "जापान में पेड़ उगाने की प्रसिद्ध कला को बोन्साई के नाम से जाना जाता है। इस कला के अभ्यास में पेड़-पौधों को प्राकृतिक रूप से कई सारे आकर दिए जाते हैं और पेड़-पौधों को प्रारंभ की दशा में ही मोड़ कर मनचाही आकृति देते हैं।" ठीक उसी तरह हर नागरिक को बचपन से ही सत्यनिष्ठा, सच्चाई और ईमानदारी की शिक्षा विद्यार्थी के दिल में बसाने का प्रयास करने से अच्छा परिणाम मिल सकता है। ऐसी सुशिक्षा के कारण बच्चों में एक अच्छा व्यक्तित्व का निर्माण होता है, जो स्वयं उनके जीवन में और देश के प्रति सकारात्मक साबित होता है।

2. सरकार और ईमानदारी:-

"यथा राजा तथा प्रजा" की कहावत की तरह ही नायक के जैसे ही नागरिक भी होते हैं। हमें ऐसा नायक चुनना चाहिए, जो लोकतंत्र को बढ़ावा दे और अपने वादे निभाकर जनता का विश्वास जीते और सामाजिक न्याय, नैतिकता का उदाहरण प्रस्तुत करे। एक अच्छी सरकार की पहचान संविधान और कानून का ज़िम्मेदारी से पालन करने से और बेईमानी को कुचलने के कानून बनाने और पालन करने में होती है। और ऐसी योजनाएं बनाएं, जिसके तहत ईमानदार लोगों को वरीयता मिले और ईमानदारी के पालन के प्रति प्रेरणा मिले।



3. भ्रष्टाचार के विरोध में समाज की पहल:-

भ्रष्टाचार एक ऐसी पीड़ा है जो समाज के हर एक वर्ग को प्रभावित करती है। इसीलिए इसके विरोध में सभी को एकजुट होकर प्रयास करना चाहिए। समाज जिस संस्कृति को स्वीकार करता है, उसी संस्कृति से उसका निर्माण भी होता है। समाज को एक दृढ़ आधार देने के लिए हम सबको बेईमानी के विरोध में एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। जन जागरूकता दिखाने से हम काफी हद तक भ्रष्टाचार को रोक सकते हैं, इसमें शिक्षा के क्षेत्र का बड़ा योगदान होना जरुरी है।

4. देश के विकास में ईमानदारी का हिस्सा:-

प्रगति के विषय में ईमानदारी की भूमिका बड़े स्तर पर रहती है। देश के विकास में अर्थव्यवस्था का योगदान भी विकास का एक पहिया है। ऐसी व्यवस्था में बेईमान लोगों को जगह नहीं देनी चाहिए। ईमानदारी की पहियों पर ही विकास का आगमन बिजली की तरह होता है। सामाजिक सुधार एवं स्थिरता केवल और केवल ईमानदारी पर आधारित है। भ्रष्टाचार के नियंत्रण और ईमानदारी के प्रचार से एक विकसित देश बन सकता है।

5. ईमानदारी का इतिहास:-

देखा जाए तो ईमानदारी हमको पूर्वजों से मिली अत्युत्तम निधि है, जिसके प्राप्त होने से हमें व्यक्तिगत और सामाजिक रूप से हमें अत्युन्नति प्राप्त होगी। ईमानदारी का मूल हमें पुराण और वेद में मिलता है। आधुनिक इतिहास में हम एक ऐसे लोक नायक को जानते हैं, जिन्होंने केवल सत्यनिष्ठा को आयुध बनाकर 200 साल से पीड़ित अंग्रेजों की हुकूमत से भारत को आजाद किया। "उस महान शक्ति को हम महात्मा गाँधी के नाम से जानते हैं, जो सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और अहिंसा के प्रेरणा स्रोत हैं।

नवीन इतिहास में हम अन्ना हजारे जी को भ्रष्टाचार के विरोध में लड़ने वाले लोक नायक की तरह जानते हैं जिनके दिए गए फलों को हम आज सूचना का अधिकार अधिनियम से जानते हैं। चर्चा करते जाने पर भी खत्म न हो ऐसे किस्से काफी है जिसमे भ्रष्टाचार की पीड़ा से जीत गया। "ये अंत नहीं आरंभ है, नए भारत का प्रारंभ है।"

भ्रष्टाचार के विरोध की इस लड़ाई में केवल एक व्यक्ति या समूह की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि ये पूरे समाज की जिम्मेदारी है। हम सब मिलकर काम करेंगे, तभी समाज की गति, स्थिति, परिस्थिति और उपस्थिति में बदलाव आएगा और समस्या का समाधान मिलेगा।

शेख रफ़ी
मानव संसाधन एवं प्रशासन

शादी

शादी शब्द बहुत छोटा है लेकिन, इसका मतलब बहुत बड़ा होता है। शादी एक सामाजिक व्यवस्था है, जिसमें दो लोग एक साथ जीवन भर साथ रहने और परिवार शुरु करने का फैसला करते हैं। शादी हर एक के जीवन का अहम फैसला होता है। यह मिलन कानूनों, नियमों, रीति-रिवाजों, विश्वासों और व्यवहारों द्वारा नियंत्रित होता है। शादी में खुशी और गम जीवन साथी पर निर्भर रहता है। एक दूसरे के प्रति आपसी भरोसा, एक दूसरे की इज्जत करना और दोनों में प्यार सिर्फ एक दूसरे के प्रति ही होना, ये तीनों तत्व रिश्ते की जड़ होते हैं। इन तीनों में से अगर एक भी ना हो तो रिश्तों में मिठास नहीं रहती और जीवन तनावपूर्ण हो जाता है। शादी सिर्फ एक शब्द नहीं एक वाक्य है, शादी का फैसला सोच समझ कर करना चाहिए।





दक्षता देसाई
नव निर्माण हल

नारी एक रूप अनेक

नारी है इस देश की शान,
जिससे है हमारी पहचान।
अलग है रूप उसका,
अलग है अंदाज उसका॥

उस नारी को क्या कहें हम,
जिसे परवाह नहीं जान की।
वही रखती है क्षमता,
हमें जन्म देने की॥

माँ-बाप की लाडली वह,
सास-ससुर की प्यारी।
उसके आने से संसार में,
झूम उठी दुनिया सारी॥

बुराई से लड़ने का,
मिला है उसे वरदान।
सीखा है हमने हमेशा,
नारी का आदर करना॥

ममता का हाथ लेकर,
आये वह माँ बनकर।
भाई की राह देखे,
दूर खड़ी राखी लेकर॥

सदियों से इस धरती पर,
आई रिश्ते निभाती वह।
तूफानों से घिरकर भी,
अपनी राह बनाती वह॥

संसार के लिए करती वह,
हमेशा त्याग तपस्या।
कभी कहलाती है अबला,
तो कभी बन जाती है दुर्गा॥

खट्टी मीठी बातों से,
मन लुभाए सखियों के।
पति की ढाल बनकर,
छक्के छुड़ाए दुश्मन के॥



स्वाति दुर्गादास सुर्लकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन

तेरे लिए...

मिलना ही नहीं लिखा था,
तकदीर से छुपकर मिलने चले ...
बदल जाए शायद इस उम्मीद में,
कि तू हमको मिले ...

करनी है कोशिश,
मेरे प्यार के लिए ...
लड़ेंगे खुदा से भी,
तुमको पाने के लिए ...

आखिर कब तक वो रूलायेंगे हमें,
आँसू भी एक दिन खत्म होंगे ...
उसको भी झुकना पड़ेगा,
कोशिश ना छोड़ेंगे तेरे लिए ...

मन्नत दुआ की,
दरगाह मंदिर कर लिए ...
कुछ पाना नहीं मुश्किल,
सिर्फ शिद्दत से चाहने वाला मिले...

जब भी मांगा है,
मांगा है प्यार के लिए...
अब मिले तो जन्नत ही मेरी,
जन्नत तू नसीब में मिले ...



अनुज गावडे

पर्यावरण

धरती हमारी माँ है,

वृक्ष हमारे भाई हैं,

नदियाँ हमारी सहेलियाँ,

आकाश हमारा साथी।

पर्यावरण हमारा खजाना है,

इसकी रक्षा हमारा दायित्व है,

हरित धरा, स्वच्छ वायु

जीवन को बनाएं सुंदर और सच्चा।

नदियों को साफ रखना हमारा कर्तव्य है,

जल संचयन से भविष्य को संवारना,

पर्यावरण के लिए हर संभव करेंगे।

धरती माता की रक्षा करो, पर्यावरण बचाओ,

स्वच्छता और संरक्षण का बीड़ा भी उठाओ,

प्रकृति की सुंदरता बनाए रखना है,

हरित धरा का सपना साकार करना है।



शिवम अशोक बिराजदार
सुपुत्र श्री अशोक तानाजी बिराजदार
पेंट शॉप

आत्मनिर्भर भारत

आत्मनिर्भर भारत की पुकार,
नया भारत, नया विचार।

स्वदेशी की राह पर चले,
आत्मनिर्भरता का सपना साकार करें।

आयात पर निर्भरता कम करें,
स्वदेशी उत्पादों को अपनाएं,

मेक इन इंडिया, मेड इन इंडिया,
स्वदेशी उद्योगों को बढ़ाएं।

नया विचार और अनुसंधान की राह पर,
नया भारत, नई दिशा में बढ़ें।

आत्मनिर्भर भारत की पुकार,
नया भारत, नया विचार।

सुंदर भारत, विकसित भारत,
यही हमारी पुकार।



अशोक तानाजी बिराजदार
पेंट शॉप

कागज़ के चंद टुकड़े...

यूँ तो मोल नहीं है, कागज़ का,
फिर भी यह अनमोल है कितने,
कागज़ के यह चंद टुकड़े ...
कागज़ के यह चंद टुकड़े ...
कागज़ के इन टुकड़ों को
जब पाते तो सब खुश हो जाते,
ना जात, धर्म ना कोई भाषा इनकी,
ये तो है सभी को भाँते ...
कागज़ के यह चंद टुकड़े ...
कागज़ के यह चंद टुकड़े...
कागज़ के इन टुकड़ों से ही,
सबने है घर संसार सजाया,
और ईश्वर को भी नेक चढ़ाया,
माँ-पिता के लाड़-दुलार,
का भी है एहसान चुकाया,
बूढ़ी माँ को ऐनक दिलवाई,
पिता के हाथ लाठी पकड़ाई,
कागज़ के चंद टुकड़ों ने ही,
देश को परदेश बनाया,
अब हम अपने घर में जब जाते,
दिन और वक्त गिन कर ले जाते,
अपने ही घर में अब,
हम भी हैं मेहमान कहलाते,
कागज़ के यह चंद टुकड़े ...
कागज़ के यह चंद टुकड़े...
कागज़ के इन टुकड़ों के कारण,
अपनों ने खोया अपनों को,
यह ....गर होते पास हमारे,
तो हम होते पास तुम्हारे,
यूँ तो मोल नहीं है, कागज़ का,
फिर भी यह अनमोल है कितने,
कागज़ के यह चंद टुकड़े...
कागज़ के यह चंद टुकड़े...
कागज़ के इन टुकड़ों से,
दुनिया की हर खुशी खरीदी,
पर माँ की असीम ममता का मोल,
क्या जाने कागज़ के यह अनमोल से टुकड़े
बहन की राखी, भाई का हाथ,
ना खरीद पाए, एक सच्चे साथी का साथ
कागज़ के यह चंद टुकड़े...
कागज़ के यह चंद टुकड़े...
कागज़ के इन टुकड़ों का अब
सही मोल है हमने जाना,
कि अंत में मोल नहीं कुछ इनका
बस दुनिया में ही अनमोल है कितने
कागज़ के यह चंद टुकड़े...
कागज़ के यह चंद टुकड़े ...



निलोफर आर. बागवान
मानव संसाधन एवं प्रशासन

कोई अर्थ नहीं



नित जीवन के संघर्षों से,
जब टूट चुका हो अन्तर्मन ,
तब सुख के मिले समन्दर का,
रह जाता कोई अर्थ नहीं।

जब फसल सूख कर जल के बिन,
तिनका - तिनका बन गिर जाये ,
फिर होने वाली वर्षा का,
रह जाता कोई अर्थ नहीं।

सम्बन्ध कोई भी हों लेकिन,
यदि दुःख में साथ न दें अपना ,
फिर सुख में उन सम्बन्धों का,
रह जाता कोई अर्थ नहीं।

छोटी - छोटी खुशियों के क्षण,
निकले जाते हैं रोज जहाँ ,
फिर सुख की नित्य प्रतीक्षा का,
रह जाता कोई अर्थ नहीं।

मन कटु वाणी से आहत हो,
भीतर तक छलनी हो जाये ,
फिर बाद कहे प्रिय वचनों का,
रह जाता कोई अर्थ नहीं।

सुख - साधन चाहे जितने हों,
पर काया रोगों का घर हो ,
फिर उन अगनित सुविधाओं का,
रह जाता कोई अर्थ नहीं।

राष्ट्रकवि
श्री रामधारी सिंह 'दिनकर'

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड



"विकसित भारत 2047" के लिए कृतसंकल्प

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड

सीआईएन: U63032GA1967GOI000077,

आयएसओ : 9001: 2015, 14001:2015, 45001: 2018, प्रमाणित कंपनी, (भारत सरकार का उपक्रम)

वास्को - द - गामा, गोवा - 403 802 भारत, फोन: +91-832-2512152 (5 लाइनें), 25113954, 2512359

फैक्स: +91-832-2513260, 2513943, 2515261, ई-मेल: contactus@goashipyard.com, यूआरएल: www.goashipyard.in